sab ka sapna 07 March 2026:Layout 1 06-03-2026 21:04 Page 1

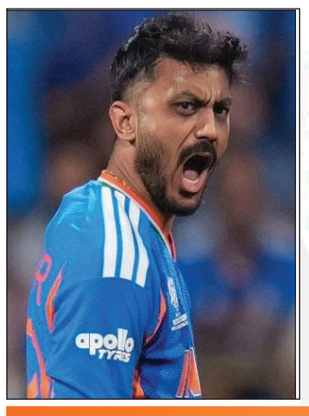

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

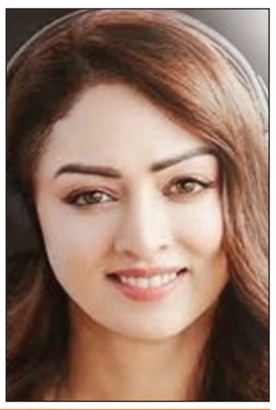

अक्षर पटेल भारत के महानतम खिलाड़ियों में शामिल होने की राह पेज: 7

संदीपा ने की अपनी फिल्म दो दीवाने सहर में की तारीफ पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 325 | शनिवार 07 मार्च 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

रूस से तेल पर अमेरिका की 'अनुमति' पर खुर्शीद का सवाल- क्या भारत को अपने हित का अधिकार नहीं?

नई दिल्ली एजेंसी: अमेरिका द्वारा भारत को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने वाली 30 दिन की छूट को लेकर बढ़ते हंगामे के बीच, पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा अपनाई गई विदेश नीति और राजनयिक प्रयासों से कोई परिणाम नहीं निकला है, और सवाल उठाया कि क्या भारत को अपने हित में कार्य करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि भारत को यह अनुमति दी जा रही है कि वह क्या कार्रवाई कर सकता है, यह "बेहद खतरनाक" है। खुर्शीद ने एएनआई से कहा कि यह बेहद खतरनाक है कि हम समय-समय पर आपको यह अनुमति देते रहेंगे कि आप क्या कर सकते हैं और क्या नहीं कर सकते। क्या भारत की स्थिति अब ऐसी हो गई है कि वह केवल दूसरों की अनुमति से ही कार्य करेगा? क्या भारत को अब अपने हित में कार्य करने का अधिकार नहीं है?

ओडिशा में सीआईएसएफ के 57वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली एजेंसी: केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने शुक्रवार को ओडिशा के मुंडली में सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के 57वें स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने ड्ड890 करोड़ की लागत से 3 आवासीय परिसरों (कामरूप, नासिक और सीहोर) का शिलान्यास और 2 आवासीय परिसरों (राजरहाट और दिल्ली) का लोकार्पण किया। समारोह में केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी, CISF (सीआईएसएफ) के महानिदेशक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सीआईएसएफः औद्योगिक सुरक्षा का स्तंभ अमित शाह ने कहा कि सीआईएसएफ ने 56 वर्षों में

औद्योगिक सुरक्षा क्षेत्र में शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है। उन्होंने बल, त्याग और समर्पण की इस यात्रा को औद्योगिक विकास और देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती से जोड़ा। गृह मंत्री ने कहा कि औद्योगिक विकास को सुरक्षित बनाने के लिए सीआईएसएफ की भूमिका अहम है और देश के हवाई अड्डे, बंदरगाह और बड़ी औद्योगिक इकाइयां इसकी सुरक्षा पर निर्भर हैं। सीआईएसएफ की उपलब्धियां और नई जिम्मेदारियां अमित शाह ने बताया कि सीआईएसएफ अब भारत के 70 हवाई अड्डों सहित 361 महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा कर रहा है। इसके अलावा, ड्रोन सुरक्षा में भी सीआईएसएफ को नोडल एजेंसी बनाया गया है। आने वाले समय में सीआईएसएफ निजी औद्योगिक समूहों को भी हाइब्रिड मोड में सुरक्षा प्रदान करेगा। नक्सलवाद और रेड कॉरिडोर पर सीआईएसएफ की भूमिका प्रधानमंत्री के लक्ष्य के तहत 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने में सीआईएसएफ अहम भूमिका निभा रहा है। गृह मंत्री ने बताया कि ओडिशा, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में सीआईएसएफ नक्सलरोधी अभियानों में सक्रिय रहा है और तिरुपति से पशुपतिनाथ तक रेड कॉरिडोर के स्वप्न देखने वालों को पूरी तरह परास्त किया जाएगा। सीआईएसएफ कर्मियों की वीरता और पुरस्कार अमित शाह ने सीआईएसएफ कर्मियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि अब तक वीरता और विशिष्ट सेवा के लिए 13,693 पदक प्राप्त किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ ने हमेशा अपने कर्तव्यों में उत्कृष्टता दिखाई है और देश की सुरक्षा में मिसाल कायम की है। भविष्य की योजनाएं और प्रधानमंत्री के लक्ष्य गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक देश को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने और 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में सीआईएसएफ एक कैटलिस्ट की भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक सुरक्षा और देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करना राष्ट्र के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।

57वें स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने शुक्रवार को ओडिशा के मुंडली में सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के 57वें स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने 890 करोड़ की लागत से 3 आवासीय परिसरों (कामरूप, नासिक और सीहोर) का शिलान्यास और 2 आवासीय परिसरों.....

बिहार की सियासत में नया अध्याय: नीतीश की विरासत संभालेंगे बेटे निशांत, जदयू में होगी एंट्री

बिहार एजेंसी: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार शनिवार को जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल होंगे और संभवतः उन्हें बिहार का उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के एक दिन बाद सामने आया है। जेडीयू के कार्यकताओं और नेताओं ने लगातार मांग की है कि निशांत को राजनीति में आना चाहिए। शुक्रवार की बैठक में यह मांग एक बार फिर उठाई गई, जिसमें पार्टी नेताओं ने कहा कि निशांत अपने पिता की जगह लेने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प होंगे। जेडीयू नेता नीरज कुमार ने कहा कि

निशांत कुमार (मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे) कल जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल होंगे। निशांत कुमार ने पूरे राज्य का दौरा करने का फैसला किया है। नीतीश कुमार ने आश्वासन दिया है कि चिंता की कोई बात नहीं है, वे विधायकों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि सरकार गठन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। नीतीश के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही बिहार में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का अपना मुख्यमंत्री होगा। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि इसी के साथ निशांत को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। बिहार की मंत्री लेशी सिंह ने शुक्रवार को आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नामांकन दाखिल करने के बाद पार्टी कार्यकताओं की भावनात्मक प्रतिक्रिया पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कुमार ने 20 वर्षों से अधिक समय तक राज्य का नेतृत्व किया है, इसलिए पार्टी कार्यकर्ता उनके इस निर्णय से असहज हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि नीतीश कुमार 20 वर्षों से अधिक समय से बिहार का नेतृत्व कर रहे हैं और उन्होंने बिहार में सभी कार्य किए हैं, सुशासन स्थापित किया है, कानून का शासन स्थापित किया है, महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम किया है; यह स्वाभाविक है कि कार्यकर्ता उनके इस निर्णय से असहज महसूस कर रहे हैं। सिंह ने आगे कहा कि शाम 5 बजे एक बैठक होगी। बैठक में जो भी निर्णय लिया जाएगा, उसकी जानकारी दी जाएगी। इससे पहले, जेडीयू विधायक बिनय कुमार चौधरी ने नीतीश कुमार के आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने के निर्णय पर निराशा व्यक्त करते हुए

वैश्विक अनिश्चितता के बीच राजनाथ सिंह का 'आत्मनिर्भर' मंत्र, रक्षा निर्यात का लक्ष्य 29,000 करोड़

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड और एक निजी मीडिया संगठन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित रक्षा और समुद्री संवाद 'सागर संकल्प - भारत की समुद्री शान की वापसी' का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि अनिश्चितता के इस वर्तमान युग में प्रासंगिक और तैयार रहने का एकमात्र रास्ता आत्मनिर्भरता है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान वैश्विक स्थिति के कारण आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन, नए समीकरणों का निर्माण और समुद्री गतिविधियों में निरंतर

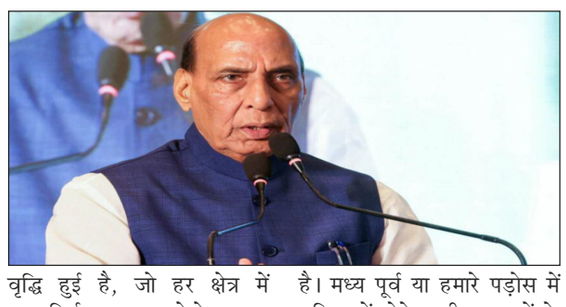

वृद्धि हुई है, जो हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के सरकार के संकल्प की पुष्टि करता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पुराने विचार, पुरानी वैश्विक व्यवस्था और पुरानी धारणाएं तेजी से बदल रही हैं। ये वे अनिश्चितताएं हैं जिन्हें हमें समझना होगा। मध्य पूर्व की वर्तमान स्थिति इसका एक प्रमुख उदाहरण है। वहां जो हो रहा है वह काफी असामान्य है। मध्य पूर्व या हमारे पड़ोस में भविष्य में होने वाली घटनाओं के बारे में ठोस टिप्पणी करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य या पूरा फारस की खाड़ी क्षेत्र वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। जब इस क्षेत्र में अशांति होती है, तो इसका सीधा असर तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ता है। इसके अलावा, हम अन्य क्षेत्रों में भी आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान देख रहे हैं। इन अनिश्चितताओं का अर्थव्यवस्था और वैश्विक व्यापार पर सीधा प्रभाव पड़ता है। वैश्विक परिदृश्य एक असामान्य स्थिति है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि यह असामान्य स्थिति अब सामान्य मानी जाने लगी है। राजनाथ सिंह ने तकनीकी गतिशीलता को आज की दुनिया का एक और महत्वपूर्ण तत्व बताते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी जीवन के हर क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव ला रही है, और यह रक्षा क्षेत्र में और भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि रक्षा क्षेत्र में उच्च स्तरीय और सटीक प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जा रहा है

चुनाव से पहले ममता का मेगा प्रोटेस्ट, बोलीं- बंगाल के वोटरों को उनका हक दिलाकर रहूंगी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया और कहा कि वह भाजपा-चुनाव आयोग की बंगाल के मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की साजिश का पदार्फाश करेंगी। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा-चुनाव आयोग की बंगाल के मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की साजिश का पदार्फाश करूंगी। मैं चुनाव आयोग द्वारा मृत घोषित किए गए मतदाताओं को कोलकाता में पेश करूंगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में एसआईआर के बाद मतदाता सूचियों में कथित मनमानी तरीके से नाम हटाए जाने के विरोध में धरना शुरू किया। अभिषेक बनर्जी ने की विरोध प्रदर्शन की घोषणा यह विरोध प्रदर्शन चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ के राज्य दौरे से ठीक दो दिन पहले हो रहा है। मध्य कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल

पर दोपहर 2 बजे से शुरू होने वाले इस धरने की घोषणा टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने रविवार को की। उन्होंने चुनाव आयोग पर विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले लाखों वैध मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने वाली "राजनीतिक रूप से प्रेरित" कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। यह विरोध प्रदर्शन सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा राजनीतिक तनाव बढ़ाने का एक बड़ा संकेत है, जो चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर के बाद की मतदाता सूची प्रकाशित करने के कुछ ही दिनों बाद सामने आया है। एसआईआर ने राज्य के मतदाताओं की संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के बाद से 63.66 लाख नाम हटाए गए 28 फरवरी को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल नवंबर में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के बाद से लगभग 8.3 प्रतिशत मतदाताओं यानी 63.66 लाख नाम हटाए जा चुके हैं, जिससे मतदाता आधार लगभग 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ से थोड़ा अधिक रह गया है। इसके अलावा, 60.06 लाख से अधिक मतदाताओं को "विचाराधीन" श्रेणी में रखा गया है, जिसका अर्थ है

शिक्षा प्रणाली पर आरएसएस का कब्जा, राहुल गांधी बोले- भारत एआई में कुछ नहीं बना रहा

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि भारतीय उच्च शिक्षा पर वैचारिक हमला हो रहा है और एक खास तरह की विचारधारा थोपी जा रही है। उन्होंने केरल के मारियन कॉलेज कुट्टिक्कानम (स्वायत्त) में छात्रों से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने आगे कहा कि अगर आप कुलपतियों को देखें, तो उनमें से बड़ी संख्या में कुलपति इसलिए बनाए जाते हैं क्योंकि वे आरएसएस से जुड़े हैं। बेशक, इसे रोकना होगा। भारतीय शिक्षा प्रणाली को विशेष रूप से आरएसएस के विभाजनकारी दृष्टिकोण तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। विपक्ष के नेता ने यह भी दावा किया कि भारत एआई के आगमन में सफल नहीं रहा है, और ऐसा प्रतीत होता है कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष कर रहे थे, जिन्होंने देश की क्षमता और भविष्य में वैश्विक स्तर पर एक शक्तिशाली देश बनने के दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया था। राहुल गांधी ने बातचीत के दौरान कहा, एआई के क्षेत्र में दो ही खिलाड़ी हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन। दुर्भाग्य से, भारत रोबोटिक्स, एआई या आधुनिक प्रौद्योगिकी, किसी भी क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी नहीं है। निश्चित रूप से, अमेरिका या चीन की तुलना में तो बिल्कुल भी नहीं। आपने एआई शिखर सम्मेलन में ही देखा कि एक चीनी रोबोट भारतीय रोबोट होने का दिखावा कर रहा था। अगर आप एआई में शक्तिशाली बनना चाहते हैं, तो आपको अपने डेटा पर नियंत्रण रखना होगा... प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में किए गए अमेरिकी समझौते के तहत हमारा सारा डेटा संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया गया है...

ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत पर दिल्ली में विरोध, नेतन्याहू के पोस्टर जलाकर जताया गुस्सा

नई दिल्ली एजेंसी: शुक्रवार को शिया मुस्लिम समुदाय ने राजधानी ईरान के जोर बाग इलाके में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पोस्टर जला दिए। यह घटना पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच हुई है, जब 28 फरवरी को अमेरिकी और इजरायल के संयुक्त सैन्य हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मृत्यु हो गई, जिसके बाद तेहरान ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। जवाबी कार्रवाई में, ईरान ने कई अरब देशों में ड्रोन और मिसाइल हमले किए, और अब यह संघर्ष सातवें दिन में प्रवेश कर चुका है। इससे पहले बुधवार को, शिया समुदाय ने श्रीनगर में खामेनेई की मृत्यु पर शोक व्यक्त करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। बांदीपोरा और रामबन में भी प्रदर्शन हुए। रामबन में नारे लगाए गए। तुम कितने

होसैनी मारोगे...हर घर से होसैनी निकलेगा। प्रदर्शनों के दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का पुतला भी जलाया। बांदीपोरा में प्रदर्शनकारियों ने दिवंगत धर्मगुरु के चित्र लिए हुए थे और घटना पर शोक और निंदा व्यक्त की। इससे पहले, ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या के विरोध में बडगाम और श्रीनगर में भी इसी तरह के प्रदर्शन किए गए थे। इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता के निधन के बाद आज नई दिल्ली स्थित ईरान दूतावास में शोक सभा आयोजित की गई। नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने भी खामेनेई के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए अपना झंडा आधा झुका दिया। हैदराबाद स्थित ईरान के महावाणिज्य दूतावास में बड़ी संख्या में लोग सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई को श्रद्धांजलि देने और शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर करके इस दुःख की घड़ी में ईरान के लोगों के प्रति अपना समर्थन दिखाने के लिए पहुंचे। गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए ईरान के उप वाणिज्य दूतावास मोहसिन मोघदमी ने कहा कि आज हमने उन भारतीय नागरिकों के लिए शोक पुस्तिका खोली है जो हमारे महान शहीद, प्रिय खामेनेई से प्रेम करते हैं

पुडुचेरी चुनाव: कांग्रेस का बड़ा दांव, द्रमुक से सीट शेयरिंग के लिए बनी 7 सदस्यीय कमेटी

नई दिल्ली एजेंसी: पुडुचेरी प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीपीसीसी) ने शुक्रवार को द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के साथ गठबंधन संबंधी औपचारिक चर्चा करने और आगामी चुनावों के लिए सीट बंटवारे की व्यवस्था पर विचार-विमर्श करने के लिए सात सदस्यीय समिति का गठन किया। यह निर्णय पुडुचेरी स्थित पार्टी कार्यालय में पीपीसीसी की राजनीतिक कार्यकारी समिति (पीईसी) की बैठक में लिया गया। समिति का गठन सांसद और पीसीसी अध्यक्ष वे वैथिलिंगम के नेतृत्व में किया गया है और इसमें पूर्व मुख्यमंत्री वी नारायणसामी, सीएलपी नेता एम वैथियानाथन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और एआईसीसी समन्वयक पीके देवदास, पूर्व मंत्री एम कंदासामी, एमओएचएफ शाहजहाँ और पूर्व सरकारी सचेतक और पीसीसी उपाध्यक्ष आरकेआर अनंतरामन शामिल हैं। तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए एआईसीसी प्रभारी गिरीश चोडंकर ने समिति के गठन की घोषणा करते हुए एक पत्र जारी किया। इस समूह को आगामी चुनावों के लिए गठबंधन रणनीतियों और सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने हेतु डीएमके के साथ वार्ता करने का कार्य सौंपा गया है। इस बीच, गठबंधन रणनीति पर गिरीश चोडंकर

ने कहा कि कांग्रेस और डीएमके अन्य दलों के साथ संयुक्त रूप से चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने बताया कि सात सदस्यीय समिति गठबंधन सहयोगियों के साथ चर्चा को अंतिम रूप देगी और यह भी कहा कि तमिलनाडु में डीएमके और पुडुचेरी में कांग्रेस आगे चल रही हैं। परिणाम घोषित होने के बाद, निर्वाचित विधायक मुख्यमंत्री का चयन करने के लिए बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि हम, कांग्रेस और डीएमके, अन्य पार्टियों के साथ मिलकर ये चुनाव लड़ेंगे। हमने सात सदस्यीय वार्ता समिति का गठन किया है। यह सात सदस्यीय टीम डीएमके और अन्य गठबंधन सहयोगियों के साथ सभी वार्ताएं करेगी और सभी बातचीत को अंतिम रूप देगी। तमिलनाडु में डीएमके गठबंधन का नेतृत्व कर रही है, जबकि पुडुचेरी में कांग्रेस गठबंधन का नेतृत्व कर रही है। हमें विश्वास है कि जनता हमारे गठबंधन को जीत दिलाएगी। यह सहमति बनी है कि तमिलनाडु में अपनाई गई रणनीति का पालन पुडुचेरी में भी किया जाएगा। चुनाव परिणामों के बाद, हमारे निर्वाचित विधायक एक साथ बैठेंगे और उस बैठक में हमारे मुख्यमंत्री का फैसला किया जाएगा। इस वर्ष केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 16वीं विधानसभा के सभी 30 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव होंगे। कांग्रेस डीएमके और सीपीआई के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है, जबकि विपक्ष में अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भाजपा और एआईएडीएमके शामिल हैं।

2021 में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने साधारण बहुमत से जीत हासिल की थी और अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एन रंगास्वामी ने उस दौरान चौथी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

आगामी पुडुचेरी विधानसभा चुनावों के लिए, कांग्रेस ने डीएमके के साथ गठबंधन और सीट-बंटवारे पर बातचीत करने हेतु स-ांसद वे वैथिलिंगम के नेतृत्व में एक सात-सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह पैनल, जिसमें पूर्व सीएम वी नारायणसामी भी शामिल हैं, गठबंधन की रणनीतियों को अंतिम रूप देगा

2 सब का सपना हिंदी दैनिक
विचार मंथन
अमरोहा
शनिवार 07 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

संपादकीय

भारत की संप्रभुता पर अमेरिका का हमला

-अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद दिवंगत आयतुल्लाह अली खामनेई के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने दावा किया कि यह हमला केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेगा...

अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद दिवंगत आयतुल्लाह अली खामनेई के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने दावा किया कि यह हमला केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, आने वाले वक्त में भारत और चीन जैसी शक्तियां भी अमेरिका के निशाने पर होंगी और उनकी यह बात बुधवार को सच साबित होती दिखी। बुधवार 4 मार्च को अमेरिका ने हिंद महासागर के भारतीय क्षेत्र में ईरान का एक युद्धपोत टॉरपीडो से हमला करके डुबो दिया। ईरान के इस युद्धपोत ने हाल ही में भारत के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास में हिस्सा लिया था और इसी के बाद वापस लौट रहा था। इस सैन्य अभ्यास को इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू-2026 कहा गया, इसकी मेजबानी भारत ने की थी और खुद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने भारतीय और ईरानी नौसैनिकों ने एक साथ परेड की थी। लेकिन भारत की संप्रभुता को बड़ी चोट पहुंचाते हुए अमेरिका ने हमला किया और इसमें सफलता का दावा भी किया। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दावा किया कि हिंद महासागर में ईरान का एक युद्धपोत अमेरिका ने टॉरपीडो से हमला करके डुबो दिया है। हालांकि, हेगसेथ ने उस ईरानी जहाज का नाम नहीं बताया जिसे डुबोया गया है, जबकि श्रीलंकाई नौसेना ने बताया था कि 'आईआरआईएस डेना' हिंद महासागर में डूब गया है, जिसमें सवार कुल 180 में से लगभग 140 लोग लापता हैं। श्रीलंकाई सरकार ने यह भी कहा कि ईरानी युद्धपोत डेना की ओर से उनके पास एक डिस्ट्रेस कॉल (आपातकालीन संदेश) मिला जिसमें सहायता मांगी गई थी। लेकिन अमेरिका और श्रीलंका की बातों के उलट मोदी सरकार ने पहले इस दावे को 'भ्रामक' बताया। पीआईबी की फैक्ट चेक टीम ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि, 'एक अमेरिका बेस्ड चैनल में अमेरिकी सेना के पूर्व अधिकारी कर्नल डगलस मैक्ग्रेगर ने कहा कि अमेरिका भारतीय नौसैनिक अड्डे का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए कर रहा है ये दावा बिलकुल $गलत है।' लेकिन सच क्या है ये अब पूरी दुनिया के सामने है। प्रधानमंत्री मोदी इस गंभीर संकट के वक्त भी चुप्पी बरते हुए हैं और सरकार हमले की सीधी निंदा करने की जगह गोल-मोल बातें कर रही है, यह बड़ी चिंता की बात है। क्योंकि अब तक सरकार ने विदेश नीति को पलटने का काम किया था, लेकिन अब तो अतिथि देवो भव के सामान्य शिष्टाचार को निभाने की जहमत भी नहीं उठा रही। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर नरेन्द्र मोदी अमेरिका और इजरायल से इतना डर क्यों रहे हैं। पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने मोदी सरकार को सही सलाह दी है कि, 'अगर हमने ईरानी जहाज को अपने 'मिलन' अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित नहीं किया होता, तो वह वहां मौजूद नहीं होता। हम इस अभ्यास के मेजबान थे। इस अभ्यास के प्रोटोकॉल के मुताबिक जहाज किसी भी तरह का गोला-बारूद नहीं ले जा सकते। यानी ईरान का वो जहाज निहत्था था।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विश्व त्रासदी :युद्ध अशांति अराजकता रक्तपात का दौर

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्व हिंसा और अशांति के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के बड़े भूभाग पर अशांति और ताकतवर देशों की अराजकता बढ़ रही है। कहीं सीधी जंग में मिसाइल हमले और एयरस्ट्राइक की जा रही हैं तो कहीं प्रॉक्सीवार के जरिए टकराव हो रहा है।युद्ध मानव सभ्यता के साथ पर्यावरण के लिए भी हानिकारक होता है। विस्फोट, रासायनिक हथियार और भारी सैन्य गतिविधियां प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर देती हैं। भूमि बंजर हो जाती है और जल स्रोत प्रदूषित हो जाते हैं।

बता देंकि 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध और इसी साल 7 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में परिस्थितियां गंभीर और जटिल बनी हुई हैं। इस समय दोनों देशों के बीच तनाव चरम सीमा पर है और दोनों देशों की सेनाएं प्रत्यक्ष सैन्य आक्रमणों में उलझी हुई हैं। रूस - यूक्रेन युद्ध, इजराएल - हमास युद्ध और अब अमेरिका - इजराएल बनाम ईरान युद्ध का संघर्ष यह दर्शाते हैं कि युद्ध का दंश सीमाओं से परे जाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और शांति को बुरी तरह प्रभावित करता है। इसे हाल ही में अमरीका और इसराईल द्वारा ईरान के विरुद्ध शुरू की गई भारी सैन्य कार्रवाई ने और बढ़ा दिया है। अब तक ईरान में ही इस युद्ध के कारण 555 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस जंग में हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है. ईरानी रेड क्रेसेंट सोसाइटी के मुताबिक, ईरान में 780 से ज्यादा लोग मारे गए हैं. इनमें कथित तौर पर एक स्कूल पर हुए अमेरिका-इसराइल के हमले में मारी गईं 165 लड़कियां और स्टाफ भी शामिल हैं। युद्ध के कारण शरणार्थियों की समस्या भी उत्पन्न होती है जो अन्तराष्ट्रिय स्तर पर मानवीय संकट का रूप ले लेती है। यह भी विडंबना है की युद्ध प्रायः सत्ता, वर्चस्व और वैचारिक मतभेदों के कारण होते हैं जबकि युद्ध का कीमत आम जनता चुकाती है। आज के परमाणु और अत्याधुनिक हथियारों के युग में युद्ध का अर्थ केवल सीमित संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक विनाश हो सकता है। विश्व भर में जारी कुछ अन्य युद्धों का सिलसिला जारी है आपको बता दें 2014 से जारी यमन के गृह युद्ध में लाखों लोग प्रभावित और हजारों लोगों की मौतें हो चुकी हैं। यह गृह युद्ध यमन के पूर्व और वर्तमान राष्ट्रपतियों के वफादार गुटों के बीच चल रहा है। यमन की राजधानी सना स्थित होऊथी योद्धाओं जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह के वफादार योद्धाओं का समर्थन प्राप्त है, और अदन में स्थित मंसूर हादी की सरकार के बीच यह युद्ध चल रहा है। 21 फरवरी, 2026 को होऊथी सेनाओं द्वारा राजधानी सना में हादी को उनके आवास पर नजरबंद करने के एक महीने बाद ही हादी वहां से भाग निकलने में सफल रहे और अदन आ गए और कहा कि होऊथी अधिग्रहण अवैध था और वह अब भी यमन के संवैधानिक राष्ट्रपति हैं।

उधर इथोपिया में 2020 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अबी अहमद द्वारा विपक्षी पार्टी एल.पी.टी.एफ. के विरुद्ध की गई सैन्य कार्रवाई के कारण शुरू हुए गृह युद्ध से लाखों लोग विस्थापित हुए और सैंकड़ों लोग मारे गए। हालांकि नवम्बर, 2022 में हुए शांति समझौते के बाद झगड़े कम हुए हैं परंतु तनाव अभी बना हुआ है। आपको पता है म्यांमार में 1 फरवरी, 2021 को वहां के मिलिट्री जुंटा ने आंग सान सू की की सरकार का तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके तुरंत बाद ही जुंटा कहलाने वाले सैन्य शासकों का भी विरोध शुरू हो गया और इसने एक भीषण गृहयुद्ध का रूप ले लिया है। इस खूनी गृहयुद्ध में पिछले 5 वर्षों के दौरान 73,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

24 फरवरी, 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध पांचवें वर्ष में दाखिल हो चुका है। इस युद्ध में अंतर्राष्ट्रीय अनुमानों के अनुसार दोनों पक्षों के सैनिकों और नागरिकों को मिलाकर लाखों लोगों की मौत तथा लाखों लोग घायल और विस्थापित हुए हैं। 7 अक्तूबर, 2023 को इसराईल और फिलिस्तीन के बीच जमीन, राजनीतिक स्वामित्व और धार्मिक दावों से सम्बन्धित दशकों पुराना विवाद हमास द्वारा इसराईल पर बड़ा हमला किए जाने के बाद अधिक तेजी से भड़क उठा। दोनों पक्ष एक-दूसरे की भूमि पर कब्जे और एक-दूसरे पर परस्पर सुरक्षा खतरे के आरोप लगाते आ रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार इसराईली हमलों के कारण गाजा का बड़ा हिस्सा बुरी तरह तबाह हो चुका है जिसके पुनर्निर्माण में 20 वर्ष से भी अधिक समय लगने का अनुमान है। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा विवाद तेज हुआ है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन से आतंकी संगठन पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं और इन हमलों में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे जा चुके हैं। अफ्रीकी देश सुडान भी सूडानी सशस्त्र सेनाओं (एस.ए.एफ.) तथा अर्द्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आर.एस.एफ.) के बीच 2023 से जारी युद्ध के कारण इतिहास के सर्वाधिक उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहा है। इस कारण यहां की जनता पूरी तरह तबाह और बर्बाद हो गई है और उसकी मुसीबतों को गरीबी आदि ने और भी बढ़ा दिया है तथा लगभग 2 लाख 80 हजार लोग अपने घर छोड़ कर दूसरे स्थानों को जा चुके हैं। उक्त सारे संघर्ष वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को प्रभावित कर रहे हैं। कुल मिला कर आज विभिन्न देशों के नेताओं की सत्ता की भूख और निजी स्वार्थों के कारण दुनिया बारूद के ढेर पर बैठी नजर आ रही है।

अन्न से आत्मनिर्भरता तकः विश्व अनाज दिवस का संदेश

सुनील कुमार महला

अनाजों के महत्व, पोषण और खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 7 मार्च को विश्व अनाज दिवस (वर्ल्ड सीरियल डे) मनाया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि ह्यसीरियलह्ल शब्द की उत्पत्ति प्राचीन रोमन देवी सेरेस के नाम से हुई है। दरअसल, रोमन पौराणिक कथाओं में सेरेस को खेती, फसल और मातृत्व की देवी माना जाता था और उन्हीं के सम्मान में अनाज को ह्यसीरियलह्ल कहा जाने लगा। वैसे, गेहूं, चावल, मक्का, जौ और जई जैसे खाद्यान्न सीरियल्स की श्रेणी में आते हैं।

विश्व अनाज दिवस वस्तुतः खाद्य सुरक्षा की नींव को रेखांकित करता है। कहना गलत नहीं होगा कि गेहूं, चावल, मक्का, जौ और बाजरा जैसे अनाज केवल भोजन नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के आधार स्तंभ हैं। उल्लेखनीय है कि आज विश्व की आधी से अधिक आबादी की दैनिक ऊर्जा आवश्यकताएँ मुख्यतः तीन अनाजों-गेहूं, चावल और मक्का से ही पूरी होती हैं। यदि अनाज न हों, तो वैश्विक खाद्य सुरक्षा की कल्पना भी संभव नहीं। आज जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, जनसंख्या वृद्धि और भूख जैसी चुनौतियों का लगातार सामना कर रही है, तब अनाजों का महत्व और बढ़ जाता है। आज तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा और सूखा जैसी परिस्थितियाँ विशेषकर गेहूं और चावल की पैदावार को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में टिकाऊ कृषि पद्धतियाँ अपनाना समय की आवश्यकता है।

भारत के संदर्भ में देखें तो हमारा देश विश्व के प्रमुख गेहूं और चावल उत्पादक देशों में शामिल है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से करोड़ों लोगों तक सस्ती दरों पर अनाज पहुँचाया जाता है। हाल के वर्षों में मोटे अनाज-जैसे बाजरा, ज्वार और रागी आदि को पुनः प्रोत्साहित किया जा रहा है, क्योंकि ये पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ कम पानी में भी उगाए जा सकते हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष' घोषित किया, जिससे वैश्विक स्तर पर मोटे अनाजों के महत्व को नई पहचान मिली।

विश्व अनाज दिवस का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि अनाजों के पोषण मूल्य, खाद्य अपव्यय रोकने, संतुलित आहार अपनाने और किसानों के परिश्रम के सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। वास्तव में यह दिवस कुपोषण और भूख की समस्या को कम करने, टिकाऊ कृषि (सस्टेनेबल एग्रीकल्चर) को बढ़ावा देने तथा खाद्य सुरक्षा में किसानों की भूमिका को रेखांकित करता है।

इतिहास की दृष्टि से जौ को दुनिया के सबसे प्राचीन खेती किए गए अनाजों में से एक माना जाता है, जिसके प्रमाण लगभग 10,000 वर्ष पुराने मिलते हैं। इतिहासकारों का मत है कि मिस्र, मेसोपोटामिया और सिंधु घाटी जैसी प्राचीन सभ्यताओं का विकास कृषि, विशेष रूप से अनाज उत्पादन, के कारण ही संभव हुआ। आज बाजरा, ज्वार और रागी जैसे मोटे अनाजों को 'फ्यूचर फूड' कहा जा रहा है। ये प्रायः ग्लूटेन-रहित होते हैं और आयरन व कैल्शियम जैसे पोषक तत्वों से समृद्ध होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी कुछ अनाज अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, 'पेरेनियल ग्रेन्स' (बारहमासी अनाज) ऐसी फसलें हैं जिन्हें हर वर्ष दोबारा बोने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इनकी गहरी जड़ें मिट्टी के कटाव को रोकती हैं और कार्बन अवशोषण में सहायक होती हैं।

पाठक जानते होंगे कि मक्का विश्व में सर्वाधिक उगाई जाने वाली फसल है, किंतु इसका बड़ा हिस्सा प्रत्यक्ष भोजन के बजाय एथेनॉल (ईंधन) और पशु आहार के रूप में प्रयुक्त होता है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्व में उत्पादित अनाज का बड़ा भाग भंडारण और परिवहन के दौरान नष्ट हो जाता है। यदि इस अपव्यय को रोका जाए तो करोड़ों लोगों की भूख मिटाई जा सकती है।

19वीं सदी के अंत में डॉ. जॉन हार्वे केलॉग ने कॉर्नफ्लेक्स जैसे ब्रेकफास्ट सीरियल का आविष्कार किया था। उनका उद्देश्य इसे सादा और स्वास्थ्यवर्धक भोजन के रूप में प्रस्तुत करना था, ताकि लोग अत्यधिक मसालेदार और गरिष्ठ भोजन से बच सकें।

अनाज ऊर्जा, फाइबर, विटामिन और खनिजों का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। विश्व की बड़ी आबादी का मुख्य भोजन अनाज ही है, जिनमें गेहूं और चावल का उपभोग सर्वाधिक होता है। जलवायु परिवर्तन का अनाज उत्पादन पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है, जिससे खाद्य सुरक्षा की चुनौतियाँ और गंभीर हो सकती हैं।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि ह्यविश्व खाद्य दिवसह्ल प्रतिवर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 16 अक्टूबर 1945 को स्थापित खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है, जो संयुक्त राष्ट्र की एक विशेषीकृत एजेंसी है। भोजन का अधिकार 1948 की सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा-पत्र द्वारा मान्यता प्राप्त है। वर्ष 2025 में विश्व खाद्य दिवस की थीम थी-बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ। भारत में अन्न उत्पादन की स्थिति सुदृढ़ हुई है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले दशक में देश का अन्न उत्पादन लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन बढ़ा है। इतना ही नहीं, फल और सब्ज़ियों का उत्पादन भी 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक बढ़ा है। भारत दूध और बाजरा (मिलेट्स) के उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है, जबकि मछली, फल और सब्ज़ियों के उत्पादन में दूसरा स्थान रखता है। वर्ष 2014 के बाद से शहद और अंडे का उत्पादन दोगुना हो चुका है।

भारत सरकार की प्रमुख पहलों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013; प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना; पीएम पोषण योजना; अंत्योदय अन्न योजना; राइस फोर्टिफिकेशन तथा प्राइस स्टेबिलाइजेशन फंड (पीएसएफ) शामिल हैं, जो खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती हैं।

इसी क्रम में 'विश्व दलहन दिवस' (वर्ल्ड पल्सेस डे) प्रतिवर्ष 10 फरवरी को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2016 को 'अंतरराष्ट्रीय दलहन वर्ष' घोषित किया था। दालें न केवल पोषण का केंद्र हैं, बल्कि 'क्लाइमेट-स्मार्ट' फसलें भी मानी जाती हैं, क्योंकि इनमें नाइट्रोजन फिक्सेशन की क्षमता होती है। इनके पौधों की जड़ों में उपस्थित बैक्टीरिया वायुमंडलीय नाइट्रोजन को अवशोषित कर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं, जिससे कृत्रिम उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है।

पर्यावरणीय दृष्टि से दालों का जल पदचिह्न(वाटर फुटप्रिंट) अत्यंत कम है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार जहाँ एक किलोग्राम बीफ उत्पादन में लगभग 15,000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है, वहीं उतनी ही मात्रा में दाल उगाने के लिए केवल 50 से 200 लीटर पानी पर्याप्त होता है। पोषण के स्तर पर दालें प्रोटीन का सस्ता और प्रभावी स्रोत हैं। इनमें अनाज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक प्रोटीन तथा आयरन, जिंक और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। शून्य कोलेस्ट्रॉल और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये हृदय रोग और मधुमेह प्रबंधन में सहायक हैं। वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका विशिष्ट है। भारत विश्व की लगभग 25% दालों का उत्पादक और 27% उपभोक्ता है। वर्ष 2026 के हालिया आँकड़ों के अनुसार, भारत चना और मूंग जैसी प्रमुख दालों में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से अग्रसर है। कभी 'गरीबों का प्रोटीन' कही जाने वाली दालें आज 'भविष्य का भोजन' मानी जा रही हैं।

अंततः, विश्व अनाज दिवस हमें यह संदेश देता है कि अनाज केवल भोजन नहीं, बल्कि मानव सभ्यता, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संतुलन की आधारशिला हैं। जलवायु परिवर्तन और बढ़ती जनसंख्या के दौर में इनका संरक्षण, टिकाऊ उत्पादन और खाद्य अपव्यय पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है। आइए, हर दाने का सम्मान करें और सुरक्षित, पोषित एवं समृद्ध भविष्य के निर्माण का संकल्प लें।

नीतीश कुमार का दिल्ली दरबार में दस्तक - बिहार की राजनीति में नई करवट

भारतीय राजनीति में कुछ घटनाएँ केवल सत्ता परिवर्तन की खबर नहीं होतीं,बल्कि वे एक पूरे दौर के अंत और एक नए अध्याय की शुरूआत का संकेत देती हैं।बिहार के मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करना भी ऐसी ही एक घटनाक्रमः है,जिसने बिहार की राजनीति पर पैनी पकड वालें राजनीतिक पंडिलों में हलचल पैदा कर दी है।लगभग दो दशकों से बिहार की सत्ता के केंद्र में रहे एक नेता का सक्रिय प्रशासनिक राजनीति से संसद भवन की ओर बढ़ना केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय नहीं है,बल्कि यह बिहार की राजनीति ,सत्ता संरचना,गठबंधन राजनीति और राष्ट्रीय रणनीति से जुड़ा एक बड़ा राजनीतिक संकेत भी है।नीतीश कुमार लंबे समय से बिहार की राजनीति का पर्याय रहे हैं। लगभग पाँच दशकों से अधिक का उनका राजनीतिक जीवन भारतीय लोकतंत्र की अनेक परतों को अपने भीतर समेटे हुए है।उनका जन्म 1 मार्च 1951 को बिहार के नालंदा जिले के बख्तियारपुर में हुआ। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने राजनीति को अपना जीवन मार्ग बनाया।छात्र जीवन से ही वे राजनीति और समाजवादी विचारधारा से प्रेरित होकर उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से अपनी सक्रिय राजनीतिक यात्रा शुरू की।1974 के जेपी आंदोलन ने उनके राजनीतिक व्यक्तित्व को दिशा दी और यही आंदोलन आगे चलकर उन्हें बिहार की मुख्यधारा की राजनीति में स्थापित करने का आधार बना। सर्व विदित रहें कि

नीतीश कुमार पहली बार वर्ष 1985 में बिहार विधानसभा के लिए चुने गए।इसके बाद उनका राजनीतिक कद धीरे-धीरे बढ़ता गया।वर्ष 1989 में वे पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए और संसद में उनकी सक्रियता ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में पहचान दिलाई। 1990 के दशक में वे केंद्र की राजनीति में एक प्रभावशाली नेता के रूप में उभरे और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में उन्होंने रेल मंत्री, कृषि मंत्री और सतही परिवहन मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।रेल मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल विशेष रूप से उल्लेख नीय रहा।वर्ष 1998 और 1999 के बीच तथा बाद में 2001 में उन्होंने रेल मंत्रालय का दायित्व संभाला। इसी दौरान बिहार के गयसाल रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा देकर भारतीय राजनीति में एक अलग उदाहरण प्रस्तुत किया।यह कदम उनकी राजनीतिक शैली और जवाबदेही की भावना का प्रतीक माना गया।

बिहार की राजनीति में उनका निर्णायक उदय वर्ष 2005 में हुआ जब उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन कर राज्य में सरकार बनाई।उस समय बिहार लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता और प्रशासनिक चुनौतियों से जूझ रहा था।नीतीश कुमार ने 'सुशासन' और विकास के एजेंडे के साथ सत्ता संभाली और राज्य की छवि बदलने का प्रयास किया।सड़कों के निर्माण,विद्यालयों में छात्राओं के लिए साइकिल योजना,महिला सशक्तिकरण और कानून व्यवस्था में सुधार जैसे कदमों ने उन्हें एक विकासवादी नेता की पहचान दी।

नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री के रूप में राजनीतिक सफर भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है।वे बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेताओं में शामिल हैं। वर्ष 2000 में वे पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने, हालांकि उस समय वे बहुमत साबित नहीं कर पाए और उनका कार्यकाल केवल कुछ दिनों का रहा। इसके बाद वर्ष 2005 में वे पुनः मुख्यमंत्री बने और तब से लेकर अब तक वे लगभग लगातार बिहार की सत्ता के केंद्र में बने रहे। 2005, 2010, 2015, 2020 और 2024 के बाद के राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच वे कुल मिलाकर दस बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं।इस प्रकार लगभग बीस वर्षों से अधिक समय तक उन्होंने बिहार की राजनीति को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है।

उनकी राजनीतिक यात्रा में कई उतार-चढ़ाव भी आए।उन्होंने समय-समय पर गठबंधन बदले और राजनीतिक समीकरणों को नए सिरे से गढ़ा।कभी वे भाजपा के साथ रहे,कभी राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के साथ महागठबंधन में शामिल हुए, लैकिन फिर दोबारा एनडीए के साथ लौट आए।यही कारण है कि उन्हें भारतीय राजनीति का एक अत्यंत व्यावहारिक और रणनीतिक नेता माना जाता है।अब जब उन्होंने राज्यसभा जाने का निर्णय लिया है,तो यह बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरूआत का संकेत माना जा रहा है।दो दशकों से अधिक समय तक राज्य की सत्ता के केंद्र में रहने के बाद उनका संसद की ओर बढ़ना केवल पद परिवर्तन नहीं बल्कि राजनीतिक भूमिका के विस्तार के रूप में भी देखा जा सकता है। उनके अनुसार संसदीय जीवन की शुरूआत से ही उनकी इच्छा थी कि वे संसद के दोनों सदनों के सदस्य बनें। इसी क्रम में अब वे राज्यसभा के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं।इस निर्णय के साथ ही बिहार की राजनीति में कई सवाल खड़े हो गए हैं।सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी अब किसके हाथ में जाएगी। पिछले बीस वर्षों में बिहार की राजनीति का एक स्थायी तथ्य यह रहा है कि गठबंधन चाहे जो भी हो, मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अक्सर नीतीश कुमार ही दिखाई देते थे।ऐसे में उनके राज्यसभा जाने से सत्ता का नया समीकरण बनना लगभग तय माना जा रहा है।इस पूरे घटनाक्रम का राष्ट्रीय राजनीति से भी गहरा संबंध है।उनके नामांकन के समय केंद्रीय गृह मंत्री का पटना पहुँचना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि यह निर्णय केवल राज्य की राजनीति तक सीमित नहीं है। संभव है कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अधिक सक्रिय भूमिका देने की रणनीति के तहत यह कदम उठाया गया हो। संसद में उनकी उपस्थिति एनडीए के लिए एक अनुभवी और संतुलित नेतृत्व का प्रतीक बन सकती है।

विपक्षी दलों ने इस निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने इसे जनता के जनादेश के साथ विश्वासघात बताया है।उनका तर्क है कि यदि जनता ने किसी नेता को मुख्यमंत्री के रूप में चुना है और वह अचानक राज्यसभा की ओर चला जाता है तो यह लोकतांत्रिक भावना के विपरीत है।वही दूसरी ओर एनडीए के नेता इसे नीतीश कुमार का व्यक्तिगत और स्वाभाविक निर्णय बता रहे हैं।राजनीतिक विश्लेषण की दृष्टि से देखा जाए तो इस निर्णय के कई संभावित परिणाम हो सकते हैं। यदि बिहार में नया नेतृत्व उभरता है तो राज्य की राजनीति में नई ऊर्जा और नई प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है।भाजपा और जेडीयू के बीच सत्ता संतुलन का नया समीकरण भी बन सकता है।वहीं विपक्ष इस मुद्दे को जनता के बीच एक राजनीतिक अवसर के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करेगा।यह भी स्पष्ट है कि नीतीश कुमार का प्रभाव अचानक समाप्त होने वाला नहीं है। उनका अनुभव, उनकी राजनीतिक समझ और प्रशासनिक क्षमता अभी भी बिहार की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। संभव है कि वे राज्यसभा में रहते हुए भी बिहार की राजनीति के मार्गदर्शक बने रहें और राज्य के विकास संबंधी निर्णयों पर उनका प्रभाव बना रहे।

समग्र रूप से देखा जाए तो नीतीश कुमार का राज्यसभा की ओर बढ़ना बिहार की राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। लगभग पाँच दशक की सक्रिय राजनीति और दो दशकों की सत्ता के बाद उनका यह निर्णय एक नए राजनीतिक युग की शुरूआत का संकेत देता है।यह परिवर्तन बिहार की राजनीति को किस दिशा में ले जाएगा, यह आने वाला समय तय करेगा।इतना निश्चित है कि बिहार की राजनीति अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है;जहाँ पुराने अनुभव और नए नेतृत्व के बीच संतुलन स्थापित करना सबसे बड़ी चुनौती होगा। नीतीश कुमार का यह कदम आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति की दिशा और बिहार की सत्ता संरचना दोनों को प्रभावित कर सकता है।

sab ka sapna 07 March 2026:Layout 1 06-03-2026 21:04 Page 3

अमरोहा
शनिवार 07 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा/संभल

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

14 मार्च को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण का लक्ष्य

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद न्यायालय परिसर सहित जनपद के समस्त न्यायालयों में आगामी 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन जनपद न्यायाधीश विवेक के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से आमजन को त्वरित, सुलभ एवं सस्ता न्याय उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। अभिषेक कुमार व्यास सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के वादों का आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण

किया जाएगा। इसमें दीवानी वाद, फौजदारी के समझौता योग्य वाद, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा वाद, बैंक ऋण सम्बन्धी मामले, श्रम विवाद, विद्युत एवं जल बिल से सम्बन्धित प्रकरण सहित अन्य अनेक प्रकार के मामलों को शामिल किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्री-लिटिगेशन स्तर के मामलों को भी लोक अदालत में लाकर आपसी सहमति से निस्तारित किया जाएगा, जिससे लोगों को न्यायालयों के चक्कर लगाने से राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से विवादों का समाधान आपसी सहमति से होने के कारण दोनों पक्षों के बीच आपसी सौहार्द बना रहता है और समय व धन दोनों की बचत होती है। लोक अदालत में निस्तारित मामलों में किसी प्रकार का न्यायालय शुल्क नहीं लगता है तथा यदि किसी वाद में पूर्व में न्यायालय शुल्क जमा किया गया है, तो वह भी वापस कर दिया जाता है। लोक अदालत का निर्णय, अन्तिम निर्णय होता है और इसके विरूद्ध किसी भी न्यायालय में अपील नहीं की जाती। जनपद न्यायाधीश विवेक के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। विभिन्न विभागों, बैंको, बीमा कम्पनियों एवं सम्बन्धित संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक मामलों को चिन्हित किया जा रहा है, ताकि अधिकाधिक वादों का निस्तारण सम्भव हो सके। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने जनपद के सभी नागरिकों से अपील की है कि जिनके भी मामले न्यायालयों में लम्बित है अथवा जो आपसी समझौते के माध्यम से अपने विवाद का समाधान चाहते है, वे 14 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने मामलों का त्वरित, सस्ता एवं स्थायी समाधान प्राप्त करें।

प्रेमी के प्यार में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर कर दी पति की हत्या

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना गजरौला क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। प्रेम प्रसंग के चलते पत्नी कल्लो ने अपने प्रेमी बबलू के साथ मिलकर पति ओमपाल की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को पंखे पर लटकाकर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई।जानकारी के अनुसार, घटना 4 मार्च 2026 को होली के दिन हुई। बबलू होली पर कल्लो से मिलने उसके घर ग्राम दारानगर आया था। पति ओमपाल को इसकी भनक लग गई, जिसके कारण दोनों में कहासुनी हुई। बबलू चला गया, लेकिन रात में वह दोबारा आया। ओमपाल सो रहा था, तभी कल्लो और बबलू ने प्लास्टिक की रस्सी से उसका गला दबाकर हत्या कर दी।6 मार्च 2026

को ओमपाल के भाई जोगेश कुमार ने थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज हुआ। विवेचना के दौरान पुलिस ने अभियुक्ता कल्लो को उसके घर से गिरफ्तार किया। पूछताछ में कल्लो ने जुर्म कबूल लिया और हत्या में प्रयुक्त प्लास्टिक की रस्सी निशादेही पर बरामद कराई, जिसकी मौके पर वीडियोग्राफी हुई। अभियोग में धारा 238E/3(5) बीएनएस की भी वृद्धि की गई।पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत यह कार्रवाई हुई। कल्लो को न्यायालय में पेश किया गया, जबकि बबलू अभी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

गजरौला में भाकियू संयुक्त मोर्चा का धरना प्रदर्शन 76वें दिन भी लगातार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला क्षेत्र स्थित नाईपुरा गांव के किसान दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे-09 किनारे शहबाजपुर डोर पर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) संयुक्त मोर्चा के बैनर तले दूषित जल के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरने पर डटे हुए हैं। यह धरना शुक्रवार को अपने 76वें दिन में प्रवेश कर गया है और किसान अब तक अपनी मांगों पर अडिग हैं।रासायनिक कारखानों के जहरीले अपशिष्ट से भूजल पूरी तरह दूषित हो चुका है। हैंडपंप से निकलने वाला पानी पीला, बदबूदार और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो गया है। इससे फसलें बर्बाद हो रही हैं, पशु प्रभावित हो रहे हैं और ग्रामीणों में बीमारियां बढ़ रही हैं। किसान इसे 'साइलेंट किलर' बता रहे हैं, जो उनकी आजीविका और ग्रामीण अस्मिता को छीन रहा है।भाकियू संयुक्त मोर्चा के मंडलाध्यक्ष एहसान अली ने कहा कि कठिन ग्रामीण जीवन, बेरोजगारी और रासायनिक कारखानों के अन्याय के बीच यह धरना प्रकृति, मनुष्य और ग्रामीण जीवन के गहरे संबंध को उजागर करता है। उन्होंने तीखा सवाल उठाया, "पेड़ों (किसानों) को मुख्यधारा में लाने की बात की जाती है, लेकिन जल-जंगल-जमीन से उखाड़कर क्या वे कभी मुख्यधारा में आ पाएंगे? बस इसलिए उन्हें काट दिया जाता है।" नाईपुरा के किसानों को विकास की सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है, जिसे उन्होंने खुद नहीं चुना।इसके अलावा एहसान अली ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने जांच कमेटी गठित की, लेकिन रिपोर्ट दबाई जा रही है और कार्रवाई में जानबूझकर देरी की जा रही है। प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। किसानों ने होली जैसे त्योहारों का बहिष्कार भी किया और चेतावनी दी कि जब तक भूजल की शुद्धि, प्रदूषकों पर सख्त कार्रवाई और स्थायी समाधान नहीं मिलता, धरना जारी रहेगा। यह आंदोलन न केवल जल संकट बल्कि पर्यावरणीय अन्याय और किसानों के अधिकारों के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि विकास के नाम पर उनकी जमीन, पानी और जीवन छीना जा रहा है। इस मौके पर तेजपाल सिंह,समरपाल सैनी,होमपाल सिंह, ओम प्रकाश सिंह, रामोतार सिंह,पृथ्वी सिंह, शीशपाल सिंह, विजय सिंह, जसवंत सिंह,साबिर चौधरी, नूर जहां, कृष्णा, वीरवती देवी, मुनेश देवी, दयावती देवी, संतोष देवी, ओमवती देवी, मीरा देवी तथा वीरा देवी समेत इलाके की सैकड़ों महिलाएं व पुरुष धरना स्थल पर मौजूद रहे।

धनौरा सीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान आयुष्मान कार्ड, नसबंदी व मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर विशेष जोर

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में शुक्रवार को स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा और विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीएचसी प्रभारी डॉ. राहुल कुमार ने की। इस दौरान क्षेत्र में चल रही स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई और उपस्थित स्टाफ को निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने के कड़े निर्देश दिए गए।सीएचसी प्रभारी डॉ. राहुल कुमार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति इस योजना

के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए युद्धस्तर पर आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। इसके साथ ही, जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में महिला व पुरुष नसबंदी के लक्ष्यों को पूरा करने और लोगों को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करने पर बल दिया गया।स्वास्थ्य केंद्र में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया, ताकि मातृ एवं शिशु दोनों सुरक्षित रहें। इसके अतिरिक्त, सभी मरीजों की डिजिटल हेल्थ आईडी यानी आभा आईडी बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का नियमित टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए भी कड़े निर्देश दिए गए, जिससे उन्हें गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके।डॉ. राहुल कुमार ने स्वास्थ्य योजनाओं को जमीनी स्तर पर सफल बनाने में आशा और आंगनबाड़ी कार्यकताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कार्यकताओं से घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने और छूटे हुए लाभार्थियों को स्वास्थ्य केंद्र तक लाने की अपील की।इस अवसर पर अभिषेक वर्मा, डॉ. ममतेश, अमित यादव, डॉ. सीमा, डॉ. अनामिका, डॉ. कुलदीप शर्मा, मनोज कुमार, मुस्कान कटियार, शैली यादव, कृष्ण वर्मा, विनोद कुमार और मनवीर सिंह सहित समस्त आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं।

रमजान के तीसरे जुमे पर मस्जिदों में उमड़ी नमाजियों की भीड़

बहजोई में अमन-चैन और मुल्क की तरक्की के लिए मांगी गई दुआ

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पवित्र माह-ए-रमजान के तीसरे जुमे के मौके पर जनपद के बहजोई क्षेत्र की मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया और दोपहर में जुमे की नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या में अकीदतमंद मस्जिदों में पहुंचे। जुमे की नमाज के दौरान इमामों ने रमजान की फजीलत और रोजे के महत्व पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना सब्र, इबादत, रहमत और बरकत का

महीना है, जिसमें अल्लाह की इबादत कर इंसान अपने गुनाहों की माफी मांगता है। नमाज के बाद नमाजियों ने मुल्क में अमन-शांति, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआ की। इस दौरान मस्जिदों के बाहर भी नमाजियों की भीड़ नजर आई। रमजान के तीसरे जुमे को लेकर मस्जिदों में विशेष इंतजाम किए गए थे। स्थानीय प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई, जिससे नमाज अदा करने आए लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। रमजान के इस पाक महीने में लोग रोजा रखकर इबादत के साथ-साथ जरूरतमंदों की मदद भी कर रहे हैं, जिससे समाज में भाईचारे और इंसानियत का संदेश फैल रहा है।

पंजाबी व हरियाणवी गीतों पर झूमे एसपी, पुलिस लाइन में रंगों की बरसी फुहार

बहजोई में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने पुलिस कर्मियों संग उत्साह से मनाई होली

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के पुलिस लाइन बहजोई में होली का पर्व बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने पुलिस कर्मियों के साथ होली खेलकर सभी को पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने पुलिस कर्मियों को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। वहीं पुलिसकर्मी भी रंग-गुलाल के साथ एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं देते नजर आए। इस दौरान माहौल और भी रंगीन हो गया जब पंजाबी और हरियाणवी गीतों पर एसपी सहित पुलिस अधिकारी और जवान जमकर थिरकते दिखाई दिए। होली के गीतों और हंसी-खुशी के बीच पुलिस लाइन का वातावरण पूरी तरह से रंगों में सराबोर रहा। सभी पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और गले मिलकर भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि होली आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। ऐसे त्योहार आपसी संबंधों को मजबूत करते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। कार्यक्रम में जनपद के कई पुलिस कर्मी मौजूद रहे और सभी ने मिलकर रंगों के इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया।

संभल के उत्सुक वार्ष्णेय ने पहले ही प्रयास में पास की सीए परीक्षा

परिवार व समाज में खुशी की लहर, लोगों ने घर पहुंचकर दी बधाई

संभल(सब का सपना):- हयातनगर निवासी उत्सुक वार्ष्णेय ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर जिले और समाज का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उत्सुक वार्ष्णेय, मनोज कुमार वार्ष्णेय (भट्टे वाले) के सुपुत्र हैं। उन्होंने इससे पहले सीए इंटरमीडिएट के दोनों ग्रुप भी पहले ही प्रयास में पास किए थे। उत्सुक ने अपनी सीए की तैयारी दिल्ली में रहकर की और वहीं रहकर अपनी आर्टिकलशिप भी पूरी की।

अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने ईश्वर, अपने बुजुर्गों और परिवारजनों के आशीर्वाद को दिया। उनकी इस उपलब्धि की खबर मिलते ही समाज के लोगों ने उनके घर पहुंचकर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वार्ष्णेय सभा सम्भल के पदाधिकारियों ने भी उनके निवास पर पहुंचकर शुभकामनाएं दीं। वहीं महिला शक्ति संगठन की अध्यक्ष एवं समाजसेवी दीपा वार्ष्णेय ने संगठन की ओर से उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उत्सुक वार्ष्णेय की इस सफलता से क्षेत्र के युवाओं को भी प्रेरणा मिल रही है और समाज में खुशी का माहौल बना हुआ है।

जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और ज्ञान के प्रसार की महत्वपूर्ण पहल

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और ज्ञान के प्रसार के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। जिले की कुल 103 ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा रही है। यह योजना उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित की जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण बच्चों और युवाओं को डिजिटल माध्यम से किताबें, अध्ययन सामग्री और ज्ञान उपलब्ध कराना है। जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जिले की सभी 103 ग्राम पंचायतों को आवश्यक किताबें प्राप्त हो चुकी हैं। इन किताबों को अब संबंधित ग्राम पंचायतों में भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया तेजी से चल रही है ताकि जल्द से जल्द इन लाइब्रेरियों को कार्यरत किया जा सके। प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी में कंप्यूटर, इंटरनेट सुविधा, फर्नीचर और बच्चों-किशोरों के लिए उपयुक्त पुस्तकें उपलब्ध होंगी। यह पहल ग्रामीण छात्रों के लिए सूचना, संचार और तकनीकी ज्ञान बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। इससे गांवों में पढ़ाई का स्तर सुधरेगा और युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी बेहतर कर सकेंगे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ई-लॉटरी हुई सम्पन्न, किसानों को मिले कृषि यंत्र

अमरोहा (सब का सपना):- किसानों द्वारा की गयी बुकिंग के चयन हेतु आज शुक्रवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में ई-लॉटरी सम्पन्न करायी गयी। कृषि विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाईजेशन, त्वरित मक्का कार्यक्रम एंव मैकेनाईजेशन फॉर इन सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ क्राप रेज्ड्यू योजना के अन्तर्गत फार्म मशीनरी बैंक की स्थापना, पॉपिंग मशीन, मेज सेलर, फसल अवशेष के प्रमुख कृषि यन्त्र एंव अन्य समस्त प्रकार के कृषि यन्त्र/कृषि रक्षा उपकरण इत्यादि की बुकिंग हेतु

अवशेष लक्ष्यों के सापेक्ष किसान भाईयों द्वारा बुकिंग 25 फरवरी से 04 मार्च तक कृषि यंत्रों की बुकिंग की गयी थी। जिसके क्रम में इन सीटू योजना के अन्तर्गत यंत्र स्ट्रा-रैक के सापेक्ष 01 किसान द्वारा बुकिंग की गयी, जिसका ऑटो-लॉटरी के माध्यम से चयन हो गया है। मैकेनाईजेशन योजना के अन्तर्गत 08 यंत्रों के सापेक्ष 15 किसान भाईयों द्वारा बुकिंग की गयी थी, जिसमें 04 यंत्रों के सापेक्ष 04 किसानों का ऑटो-लॉटरी के माध्यम से चयन हो गया है। अवशेष रहे 04 यंत्र रोटावेटर, स्ट्रा रीपर, पॉवर पीडर एवं पॉवर ऑपरेटर चैपकटर के सापेक्ष 11 किसानों द्वारा की गयी बुकिंग के चयन हेतु जिलाधिकारी महोदया की अध्यक्षता में ई-लॉटरी सम्पन्न करायी गयी। ऑटो-लॉटरी एवं ई-लॉटरी में चयनित किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि यंत्र क्रय करके दिनांक 16.03.2026 या उससे पूर्व तक विभागीय पोर्टल दर्शन 2.0 एवं यू0पी0 यंत्र ट्रैकिंग पर बिल एवं यंत्र की फोटो एवं अन्य आवश्यक अभिलेख अपलोड करना अनिवार्य है। साथ ही किसान भाईयों को यह भी सूचित किया जाता है कि यंत्र क्रय करने से पहले यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि क्रय किया जाने वाला यंत्र कृषि निदेशालय के पत्र सं0 1562 दिनांक 23.09.2025 एवं पत्र सं0 2467 दिनांक 18.12.2025 के द्वारा जारी वित्तीय वर्ष 2025-26 कृषि यंत्र निमार्ता कम्पनियों की इम्पैनल्ड सूची के अन्तर्गत होना चाहिए तथा कृषक यंत्र क्रय करने से पहले डीलर/फर्म को यंत्र के मूल्य का कम से कम 50 प्रतिशत धनराशि का भुगतान लाभार्थी के स्वंय के खाते से कृषि यंत्र क्रय करके बिल प्राप्त करने के दिनांक या दिनांक से पूर्व भुगतान किया जाना अनिवार्य है।

sab ka sapna 07 March 2026:Layout 1 06-03-2026 21:04 Page 4

महिला दिवस पर छात्राओं ने बनाए सशक्तिकरण के पोस्टर

मेम्बर कलवा कुरैशी ने होली जुलूस पर फूलों की वर्षा कर पेश की गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय कन्या विद्यालय, बहजोई में सशक्त नारी सशक्त समाज विषय पर प्रेरणादायक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, समान अधिकार, आत्मनिर्भरता और समाज में महिलाओं की भूमिका को दशार्ते हुए आकर्षक व प्रभावशाली पोस्टर तैयार किए। प्रतियोगिता में लगभग 135 छात्राओं ने भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा और सामाजिक जागरूकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या पुष्पा रानी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब नारी सशक्त होगी तभी समाज सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा, जागरूकता और आत्मविश्वास के माध्यम से महिलाएं न केवल अपने जीवन को बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को भी सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने छात्राओं को अपने

अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में श्री पी.डी. टंडन सेवा संस्थान, बहजोई के प्रबंध निदेशक हेमंत बाबू ने कहा कि 8 मार्च को पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों, समान अवसरों और गरिमा को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियां छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। UPCEG के दृष्टिकोण को साझा करते हुए मिलान बी द चेंज की प्रोग्राम अधिकारी अंजलि सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश कोएलिशन टू एम्पावर गर्ल्स मिलान की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो किशोरियों के साथ काम करते हुए उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि छह माह तक चलने वाले इस अभियान के माध्यम से लगभग 25 हजार से अधिक किशोरियों तक पहुंच बनाकर उन्हें सरकारी योजनाओं, अवसरों और अधिकारों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय की छात्राओं द्वारा महिला सशक्तिकरण के संदेश के साथ जागरूकता रैली भी निकाली गई। रैली के दौरान छात्राओं ने शहर में नारे लगाते हुए लोगों को महिलाओं के अधिकार, सम्मान और समान अवसरों के प्रति जागरूक किया। यह कार्यक्रम विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली, UPCEG लखनऊ तथा श्री पी.डी. टंडन सेवा संस्थान, बहजोई के संयुक्त प्रयासों से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंत में हेमंत बाबू ने विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली, UPCEG लखनऊ, विद्यालय प्रशासन, छात्राओं और समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया। इस दौरान पोस्टर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित करते हुए पुरस्कार भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में राममोहन, रचना वार्ष्णेय, कुसुमलता, दीपक कुमार, धीरज बाला वार्ष्णेय सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यह आयोजन छात्राओं के लिए अपनी रचनात्मकता और विचारों को अभिव्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ तथा महिला सशक्तिकरण के संदेश को समाज तक पहुंचाने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल सिद्ध हुआ।

असमोली विकासखण्ड में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति' की बैठक आयोजित

असमोली/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी के निदेर्शों के अनुपालन में विकासखण्ड असमोली के सभागार में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। खण्ड विकास अधिकारी प्रेमपाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके सर्वांगीण विकास के लिए एक सुरक्षित वातावरण तैयार करना था। बैठक में बाल श्रम बाल तस्करी बाल विवाह और हिंसा जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा की गई। बच्चों को परिवार की देख-रेख और दुर्व्यवहार से बचाने के उपायों पर जोर दिया गया। संरक्षण अधिकारी तेजपाल यादव ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना और स्पॉन्सरशिप योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। आपातकालीन स्थितियों के लिए जारी हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग

के बारे में बताया गया। प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी जमजमा रिजवान ने किशोर न्याय अधिनियम 2015 की जानकारी देते हुए आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के माध्यम से कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। सहायक विकास अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बैठक में उपस्थित सभी सचिवों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर होने वाली बैठकों में सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाल संरक्षण जैसे संवेदनशील कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में शिक्षा विभाग से प्रमोद कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता खेमपाल सिंह, कुलदीप सिंह, रोहताश कुमार, सत्यपाल सिंह, रंजीत, नाजिम अली, रविकान्त और शैलेन्द्र कुमार सहित कई अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मारपीट और दराती से हमले के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा थाना पुलिस ने मारपीट और जानलेवा हमले के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया, जबकि मामले की विवेचना जारी है। पुलिस के अनुसार 4 मार्च को मधुपुरा ग्राम फैजुल्लापुर निवासी मोहम्मद साबिर पुत्र अब्दुल वहीद ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसके भाई वाकिब को गांव के ही कुछ लोगों ने रास्ते में रोककर घेर लिया और उसके साथ गाली-गलौज व मारपीट की। तहरीर में आरोप लगाया गया था कि फैजान, इमरान,

अनवर और आसिफ निवासी ग्राम मधुपुरा फैजुल्लापुर ने मिलकर वाकिब के साथ हमला किया। आरोप है कि फैजान, इमरान और आसिफ ने जान से मारने की नीयत से वाकिब के सिर पर दराती से वार किया और बेल्ट डालकर उसका गला दबाने का भी प्रयास किया। साथ ही आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घायल वाकिब की मेडिकल जांच में धारदार हथियार से चोट लगने की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक संजय त्यागी को सौंपी गई थी। पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। इसी क्रम में शुक्रवार को स्योहारा थाना पुलिस ने वांछित अभियुक्त फैजान पुत्र आसिफ निवासी ग्राम मधुपुरा फैजुल्लापुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और विवेचना के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए ई-लॉटरी से 6 किसानों का चयन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित योजनाओं के तहत शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में ई-लॉटरी प्रक्रिया का आयोजन किया गया। यह प्रक्रिया दर्शन 2.0 पोर्टल पर जिलाधिकारी सम्भल की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति (डीएलईसी) की उपस्थिति में सुबह 9 बजे से सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के दौरान सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों के लिए

5 किसानों का चयन किया गया। वहीं प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू योजना के तहत फसल अवशेष प्रबंधन से जुड़े कृषि यंत्र के लिए 1 किसान का चयन किया गया। इस प्रकार दोनों योजनाओं के तहत कुल 6 लाभार्थियों को कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए चुना गया। चयनित किसानों को बताया गया कि वे upyan tratracking.in पोर्टल पर पंजीकृत निमार्ता अथवा विक्रेताओं से ही मानक के अनुरूप कृषि यंत्र खरीदें और निर्धारित समय सीमा के भीतर बिल विभागीय पोर्टल पर अपलोड करें। साथ ही उन्हें कृषि यंत्रीकरण शासनादेश में दिए गए प्रावधानों की भी जानकारी दी गई। पूरी ई-लॉटरी प्रक्रिया डीएलईसी के सदस्यों और उपस्थित किसानों के सामने पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराई गई।

तरावीह में कुरआन पाक मुकम्मल, सजी नात व मनकबत की महफिल

करम खां वाली मस्जिद खानकाह साबरिया में इमाम सय्यद आरिज अली का हुआ सम्मान

संभल(सब का सपना):- माह-ए-रमजानुल मुबारक के पाक महीने में मोहल्ला कोट गर्वी स्थित करम खां वाली मस्जिद खानकाह साबरिया में नमाज-ए-तरावीह के दौरान कुरआन-ए-पाक मुकम्मल होने पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नात और मनकबत की महफिल सजाई गई, जिसमें अकीदतमंदों ने बड़ी संख्या में शिरकत की। तरावीह की नमाज के दौरान इमाम सय्यद आरिज अली ने पूरे रमजान में कुरआन-ए-पाक की तिलावत करवाई। कुरआन

मुकम्मल होने पर मस्जिद में आयोजित महफिल में नातख्वानों ने नात व मनकबत पेश कर माहौल बना दिया। इंतजामिया कमेटी की ओर से कुरआन पाक सुनाने वाले इमाम सय्यद आरिज अली का फूलों से इस्तकबाल किया गया तथा उन्हें नजराना पेश कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुल्क व शहर की अमन-शांति और खुशहाली के लिए खास दुआ कराई गई। इसके बाद नमाजियों में तबर्रुक भी वितरित किया गया। इस मौके पर कारी मोज्जम, मौलाना नाजिम, कारी हमजा, अब्दुल मन्नान, आशकार, बिक्की, सय्यद रफत अली, सय्यद फरहत अली, सय्यद मिंजार हुसैन, यासर इमाम खान, मोहम्मद शकील, चौधरी वसीम, मोहम्मद उमर, जमीलुर्रहमान, जलाल रहमान, मोहम्मद आजम, असद हुसैन सहित कई लोग मौजूद रहे।

घर वापस जाते समय सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के अफजलगढ़ क्षेत्र में देर शाम हुए भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना अफजलगढ़ क्षेत्र के बिरला फार्म रोड पर ग्राम अलीपुर चौहड़ के सामने यह दर्दनाक हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि बाइक

सवार हरजीत सिंह उर्फ बंटी (27 वर्ष) पुत्र कश्मीर सिंह निवासी ग्राम साहरावाला उर्फ चाहड़वाला, थाना बढ़ापुर से अफजलगढ़ अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे एक आयशर कैंटर ने उसकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की मोटरसाइकिल स्प्लेंडर प्लस बताई जा रही है, जबकि टक्कर मारने वाले आयशर कैंटर बताया गया है। हादसे के बाद कैंटर चालक मौके से फरार हो गया। बताया गया कि मृतक हरजीत सिंह की करीब तीन वर्ष पूर्व ही शादी हुई थी और वह खेती-बाड़ी का कार्य करता था। अचानक हुई इस दुर्घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

युवक ने ढाबे पर चाकू से काटी अपनी ही गर्दन, वीडियो वायरल

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अठसैनी स्थित प्रधान जी चिकन पॉइंट ढाबे पर गुरुवार रात करीब 11:15 बजे एक युवक ने सबके सामने चाकू से गला काटकर आत्महत्या कर ली। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई जिसका वीडियो फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मृतक की पहचान बरेली के साईं थाना क्षेत्र के ग्राम धुनका निवासी सलमान (22) पुत्र अहमद जान के रूप में

हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक सलमान दिल्ली के सफदरजंग एनक्लेव से अर्टिगा कार (UP 25 HT 7056) द्वारा अपने गाँव लौट रहा था। ढाबे पर बैठने के कुछ ही पलों बाद उसने टेबल पर रखा चाकू उठाकर गला काट लिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना से ढाबे पर अफरा-तफरी मच गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि मामले की जाँच जारी है और वायरल फुटेज को पुलिस ने संज्ञान में लिया है। पूरे प्रकरण की जांच पड़ताल की जा रही है।

बस में चार बदमाशों ने मचाया उत्पात, दरवाजा बंद कर बस में की तोड़फोड़

बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र में गुरुवार शाम उस समय अफरातफरी मच गई जब रेहड़ की ओर जा रही एक बस में चार अज्ञात बदमाशों ने चढ़कर जमकर उत्पात मचाया। बदमाशों ने बस का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और ड्राइवर व यात्रियों को डराते-धमकाते हुए बस में तोड़फोड़ शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार चारों बदमाश अचानक बस में सवार हो गए और देखते ही देखते उन्होंने बस का धाता (मुख्य दरवाजा) बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने बस के

शीशों और अन्य हिस्सों पर हमला कर दिया, जिससे बस को भारी नुकसान पहुंचा। इस दौरान बस में मौजूद यात्रियों में दहशत फैल गई और लोग सहमे हुए बैठे रहे। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने कुछ देर तक बस में जमकर तोड़फोड़ की और उसके बाद मौके से फरार हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा बदमाशों की पहचान कर उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद परिजनों ने दी तहरीर

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- चांदपुर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना चांदपुर क्षेत्र के गांव जुझारपुरा अर्ज नाईपुरा निवासी होशियार सिंह ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उसका पुत्र अतुल कुमार शनिवार सुबह करीब 5:30 बजे मोटरसाइकिल से गन्ना ड्यूटी के कार्य से जा रहा था। बताया गया कि जब वह सैंदवार वाली सिंचाई नहर स्थित मंदिर के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रहे एक स्वराज ट्रैक्टर ने लापरवाही से उसकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर लगते ही अतुल कुमार

गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि जिस ट्रैक्टर से हादसा हुआ वह सुधांशु पुत्र नेत्रीशरण निवासी ग्राम बमनौला, थाना चांदपुर का बताया जा रहा है। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि सुधांशु और लोकेश नामक व्यक्ति रात के समय क्षेत्र में अवैध खनन का कार्य करा रहे थे और कई ट्रैक्टरों से खनन कराया जा रहा था। परिजनों का कहना है कि आरोपित खनन माफिया किस्म के लोग हैं और उनकी लापरवाही के कारण ही यह हादसा हुआ है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने इस महीने भ्रमण एवं निरीक्षण कार्यक्रमों की समय-सारिणी की निर्धारित

बिजनौर (सब का सपना) :- जिलाधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट जसजीत कौर द्वारा मार्च 2026 में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण एवं निरीक्षण कार्यक्रमों की समय-सारिणी निर्धारित कर दी गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिलाधिकारी तहसीलों, विकास खंड कार्यालयों, नगर निकायों, स्वास्थ्य संस्थानों तथा ग्राम चौपालों का निरीक्षण कर राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा करेंगी। जिलाधिकारी के कार्यक्रम के अनुसार आज प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरांत तहसील नगीना तथा एमडीएम कोर्ट नगीना का निरीक्षण किया

जाएगा। 10 मार्च को अपरान्ह में विकास खंड कार्यालय किरतपुर, नगर पालिका परिषद किरतपुर तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किरतपुर का निरीक्षण प्रस्तावित है। 17 मार्च को अपरान्ह में ब्लॉक कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मिठ्ठोपुर में ग्राम चौपाल के अंतर्गत राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा की जाएगी तथा विकास खंड कार्यालय कोतवाली का निरीक्षण किया जाएगा। 20 मार्च को अपरान्ह में विकास खंड जलीलपुर, नगर पालिका परिषद चांदपुर तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्याऊ (चांदपुर) का निरीक्षण किया जाएगा। 23 मार्च को ग्राम चौपाल के अंतर्गत ब्लॉक नजीबाबाद के ग्राम कुतुबपुर में राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा के साथ विकास खंड कार्यालय नजीबाबाद का निरीक्षण होगा। 24 मार्च को सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरांत तहसील नजीबाबाद एवं एसडीएम कोर्ट नजीबाबाद का निरीक्षण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त उसी दिन अपरान्ह में विकास खंड कार्यालय किरतपुर, नगर पालिका परिषद किरतपुर तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरतपुर का भी निरीक्षण प्रस्तावित है। 27 मार्च 2026 को ब्लॉक अल्हैपुर-धामपुर के ग्राम सलावा में ग्राम चौपाल के अंतर्गत राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा तथा खंड विकास कार्यालय अल्हैपुर-धामपुर का निरीक्षण किया जाएगा।

वहीं 28 मार्च 2026 को तहसील चांदपुर एवं एसडीएम कोर्ट चांदपुर का निरीक्षण किया जाएगा। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सभी जिला स्तरीय एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अद्यतन सूचनाओं के साथ कार्यक्रमों में उपस्थित रहना सुनिश्चित करें।

sab ka sapna 07 March 2026:Layout 1 06-03-2026 21:05 Page 5

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मिली सिक्योरिटी क्लीयरेंस, नवरात्र में उद्घाटन के 45 दिन बाद शुरू होंगी उड़ानें

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एयरो ड्रम लाइसेंस जारी होने का रास्ता साफ हो गया है। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बृहस्पतिवार को सिक्योरिटी क्लीयरेंस जारी कर दिया है। यह सिक्योरिटी क्लीयरेंस शर्तों के साथ जारी किया गया है। डीजीसीए करेगा निरीक्षण,

नवरात्र में उद्घाटन की संभावना

डीजीसीए की टीम एयरोड्रम लाइसेंस जारी करने से पहले एयरपोर्ट का निरीक्षण करेगी। नवरात्र में एयरपोर्ट का उद्घाटन होने की संभावना है। ब्यूरो ने इससे पहले एंटी हाइजैक कंटीजेंसी प्लान को अपनी स्वीकृति दी थी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के नोडल अफसर एवं यीडा एसीईओ शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि बीसीएएस ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एंटी हाइजैक कंटीजेंसी प्लान को स्वीकृति के बाद सिक्योरिटी क्लेरेंस जारी कर दिया है। इस शर्त के साथ जारी किया गया है। एयरपोर्ट संचालन में इन शर्तों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा। डीजीसीए की टीम एक सप्ताह के अंदर एयरपोर्ट का निरीक्षण कर

एयरोड्रम लाइसेंस की कार्रवाई करेगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि सिक्योरिटी क्लीयरेंस जारी होने से यह साफ हो गया है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन जल्द होगा और यात्री सेवा भी जल्द शुरू हो जाएगी। इससे पहले एंटी हाइजेक कंटीजेंसी प्लान को स्वीकृति दी गई थी। विमान के हाइजैक होने या बम की सूचना जैसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा योजना होती है। यात्रियों, क्रू मेंबर्स और विमान की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा स्थिति को शांतिपूर्ण और नियंत्रित तरीके से समाप्त करना होता है। विमानन कंपनियां, एयरपोर्ट अधिकारी, सुरक्षा एजेंसियां, स्थानीय आपदा प्रबंधन समिति और सरकार इस योजना पर समन्वय के साथ मिलकर कार्रवाई करती है। इसमें विमान की निगरानी, यात्रियों की सुरक्षा, वातार्कार और विशेष बलों की तैनाती जैसी रणनीति शामिल होती है। इस योजना को तभी स्वीकृति दी जाती है जब आपात स्थिति से निपटने के लिए उपकरण समेत सभी सामान एयरपोर्ट पर उपलब्ध होते हैं। सिक्योरिटी क्लीयरेंस मिलने के बाद डीजीसीए एयरोड्रम लाइसेंस जारी करेगा। एयरो ड्रम लाइसेंस जारी होते ही एयरलाइंस कंपनियों को एयरपोर्ट के शुरू होने की सूचना जारी कर दी जाती है। कंपनियां एयरपोर्ट से देश विदेश के लिए विमान सेवा शुरू करने के लिए तैयारी शुरू करती हैं। उद्घाटन के 45 दिन बाद से संचालन शुरू हो जाएगा। नोएडा एयरपोर्ट से शुरूआत में दिन में घरेलू विमान सेवा शुरू होगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगापुर दौरे के दौरान नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मार्च में उद्घाटन की घोषणा की थी। उद्घाटन के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एयरो ड्रम लाइसेंस जारी होना जरूरी है।

सिक्योरिटी क्लीयरेंस न मिलने से अटका था लाइसेंस

यह लाइसेंस बीसीएएस से सिक्योरिटी क्लीयरेंस न मिलने के कारण जारी नहीं हो पा रहा था। बृहस्पतिवार को सिक्योरिटी क्लीयरेंस जारी होने के साथ एयरोड्रम लाइसेंस का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया।

ईरान युद्ध से होर्मुज बंदः कंटेनर के रेट्स 150% तक उछले, नोएडा-ग्रेटर नोएडा निर्यातक बोले- लागत हुई दोगुनी

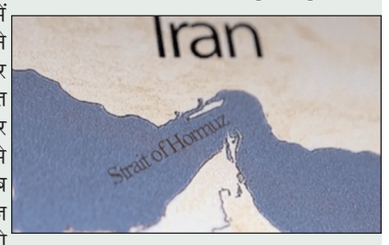

ग्रेटर नोएडा। ईरान में जारी सैन्य संघर्ष ने वैश्विक समुद्री व्यापार को बुरी तरह से प्रभावित किया है। अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर हमलों के जवाब में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है, जिससे तेल टैंकरों से लेकर कंटेनर जहाजों तक की आवाजाही ठप हो गई है। इस कारण शिपिंग कंपनियां अब जहाजों को अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप के रास्ते लंबा चक्कर लगाने को मजबूर हैं, जिससे ट्रांजिट समय 12-15 दिनों तक बढ़ गया है। इस व्यवधान से कंटेनर किराए में भारी उछाल आया है। कई प्रकार की लागतों में बेतहाशा बढ़त युद्ध से पहले जहां कंटनेर का किराया 1200 डॉलर (1.10 लाख रुपये) लगता था वहां अब 2400 डॉलर (2.20 लाख रुपये प्रति कंटेनर तक किराया पहुंच गया है। एशिया-यूरोप और अन्य रूटों पर स्पाट रेट में 30-50 प्रतिशत तक की तत्काल वृद्धि कर दी गई है, जबकि कुछ मामलों में यह 150 प्रतिशत तक पहुंच गई है। पुराने मार्गों की जगह लंबे रूट अपनाने से ईंधन खर्च, बीमा प्रीमियम और अन्य लागतें बढ़ी हैं।भारतीय निर्यातकों के बड़ी चुनौती इससे प्लास्टिक ग्रैन्यूल, खाद्य तेल, रासायनिक कच्चा माल और अन्य औद्योगिक सामग्रियों के दामों में अचानक वृद्धि हुई है, जिसने भारतीय निर्यातकों की उत्पादन लागत को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के निर्यातक इस संकट से सबसे अधिक प्रभावित हैं, क्योंकि यहां से प्लास्टिक उत्पाद, टेक्सटाइल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य वस्तुओं का निर्यात होता है।

संक्षिप्त खबर

होली खेलते समय गिरी गर्भवती तो बच्चेदानी का हिस्सा हो गया था अलग, फिर क्या हुआ

लखनऊ। होली के रंग में मस्ती के बीच एक गर्भवती महिला के साथ बड़ा हादसा हो गया, लेकिन समय रहते डफरिन अस्पताल के डाक्टरों की सतर्कता से मां और बच्चे दोनों की जान बचा ली गई। त्रिवेणीनगर की सीता शर्मा चार मार्च को दोपहर 2:25 बजे वीरांगना अवंतीबाई महिला चिकित्सालय (डफरिन अस्पताल) में गंभीर हालत में भर्ती कराई गईं। होली के दौरान रंग खेलते समय सीता शर्मा अचानक गिर गईं, जिससे उन्हें रक्तस्राव होने लगा। गिरने के कारण उनके पेट में सूजन बढ़ने लगी और हालत तेजी से बिगड़ने लगी। परिजन तुरंत उन्हें डफरिन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डा ज्योति मेहरोत्रा की टीम ने जांच के बाद तुरंत आपरेशन का निर्णय लिया। आपात स्थिति को देखते हुए महज कुछ ही मिनटों में आपरेशन शुरू किया और दोपहर 2:44 बजे शिशु का सुरक्षित जन्म कराया। चिकित्सकों के अनुसार गिरने की वजह से गर्भाशय के अंदर प्लेसेंटा (बच्चेदानी से जुड़ा हिस्सा) आंशिक रूप से अलग हो गया था, जिससे रक्तस्राव हो रहा था और मां-बच्चे दोनों की जान को खतरा था।टीम ने तत्परता दिखाते हुए सफल सर्जरी की। रक्तस्राव को नियंत्रित किया। समय पर अस्पताल पहुंचने और तुरंत आपरेशन किए जाने से दोनों की जान बचाई जा सकी। फिलहाल मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

परीक्षा में चमकी लखनऊ की मेधा, विमल कुमार को मिली 107वीं रैंक

लखनऊ। संघ लोक सेवा आयोग ने शुक्रवार को सिविल सेवा परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी किया। इस बार परीक्षा में लखनऊ के भी मेधावियों ने भी अपना परचम लहराया है। इस बार देश भर से 958 प्रतिभागियों का चयन किया गया है। अभ्यर्थी अपना रिजल्ट आधिकारिक वेबसाइट upsc.gov.in पर देख सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की ओर से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए संचालित अभ्युदय कोचिंग में तैयारी करने वाले आधा दर्जन अभ्यर्थियों ने भी सफलता प्राप्त की है। लखनऊ के विमल कुमार को 107वीं रैंक मिली है। विमल लखनऊ में भागीदारी भवन में रहकर तैयारी कर रहे थे। विपिन देव यादव को 316वीं, आदर्श पाण्डेय को 347वीं, मानसी को 444वीं, महेश जायसवाल को 590वीं, अंदिति सिंह को 859 और तनीषा सिंह को 930 वीं रैंक मिली है।गलतियां दूर कर पाई सफलता 107वीं रैंक पाने वाले विमल कुमार ने कहा कि सफलता के लिए सबसे जरूरी है, खुद पर संयम रखना है। जब आप फेल हों तो देखें कि गलती कहां पर हुई। उसे सुधारें। मैंने वही किया। मूल रूप से रायबरेली के पोस्ट गुरुबख्श, गांव चांदमऊ के विमल कुमार ने आईआईटी दिल्ली से बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के बाद 2021 में पहली सिविल सर्विसेज की परीक्षा दी, लेकिन प्री से आगे नहीं पहुंचे। प्रयास जारी रखा। उनको पांचवें प्रयास में 107 आल इंडिया रैंक मिली। विमल का वैकल्पिक विषय गणित था। उन्होंने बताया कि घर में शुरूआत से ही बिजली की समस्या रहती थी, जिससे ठीक से पढ़ नहीं पाता था। मई 2025 में भागीदारी भवन गोमती नगर, लखनऊ में रहकर तैयारी की। सेल्फ स्टडी से सफलता मिली। पापा राम देव किसान हैं। मम्मी सियावती गृहिणी हैं। दोनों कम शिक्षित हैं, लेकिन विमल कुमार आईएएस अधिकारी बनेंगे।लगातार करते रहे प्रयास 316 रैंक पाने वाले विपिन देव यादव ने बताया कि मैं अपनी तैयारी के साथ-साथ गोमती नगर के भागीदारी भवन में यूपीपीसीएस मुख्य परीक्षा 2024 के अभ्यर्थियों को एक वर्ष पढ़ाता भी रहा। इससे मेरी तैयारी भी अच्छी हो गई। मूल रूप से अंबेडकरनगर के टांडा तहसील के विपिन देव ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीएससी के बाद सिविल सेवा की तैयारी की। उनको कई प्रयास में भी सफलता नहीं मिली। लक्ष्य से पीछे नहीं हटे। उन्होंने तैयारी के लिए पूर्व परीक्षाओं के प्रश्न हल किए। आयोग के सिलेबस के अनुसार तैयारी की। करंट अफेयर्स पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने बताया कि मेरी तैयारी में भाई इंद्रदेव यादव का विशेष योगदान रहा। पापा राजा राम यादव किसान हैं। मम्मी नेवाती देवी गृहिणी हैं। यूपीएससी की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक इस परीक्षा के जरिये कुल 958 उम्मीदवारों का चयन किया गया है। जिसमें जनरल कैटेगरी के 317, ईडब्ल्यूएस कैटेगरी के 104, ओबीसी कैटेगरी के 306, एससी कैटेगरी के 158 और एसटी कैटेगरी के 73 उम्मीदवार हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव से प्रभावित हो सकता है युपी का निर्यात, शिपिंग लागत में भी हो रही बढ़ोतरी

लखनऊ। पश्चिम एशिया में तनाव का असर उत्तर प्रदेश के निर्यात पर भी पड़ सकता है। अगर खाड़ी देशों में तीन माह से अधिक समय तक तनाव बरकरार रहता है तो शिपिंग लागत में करीब 10 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी होने की संभावना है। साथ ही संबंधित देशों में विभिन्न प्रकार के उत्पाद पहुंचाने में ज्यादा समय लगेगा। इससे भुगतान चक्र प्रभावित होगा, जिसका सीधा असर आने वाले समय में निर्यात पर पड़ेगा। उत्तर प्रदेश से वर्ष 2024-25 में 1.86 लाख करोड़ रुपये का निर्यात किया गया था। इसमें सबसे अधिक 19 प्रतिशत निर्यात अमेरिका को किया गया था। वहीं ब्रिटेन को सात प्रतिशत, संयुक्त अरब अमीरात को छह प्रतिशत, जर्मनी, नेपाल और आस्ट्रिया को पांच-पांच प्रतिशत, फ्रांस को चार प्रतिशत, स्पेन, नीदरलैंड और इटली को तीन-तीन प्रतिशत निर्यात किया गया था। पश्चिम एशियाई देशों में उत्तर प्रदेश से फल, सब्जियां, रेडीमेड गारमेंट, चमड़ा, लेदर उत्पाद, चावल, हस्तशिल्प, इलेक्ट्रानिक उत्पाद, कृषि, मीट, इंजीनियरिंग और निर्माण सामग्री सहित विभिन्न प्रकार के उत्पादों का निर्यात किया जाता है। उत्तर प्रदेश के निर्यातकों की नजरें फिलहाल अगले कुछ दिनों पर टिकी हैं।डेवलपमेंट कार्उंसिल फार फुटवियर एंव लेदर के अध्यक्ष पूरन डाबर और कार्उंसिल फार लेदर एक्सपोर्ट के क्षेत्रीय अध्यक्ष असद कमल इराकी के अनुसार खाड़ी देशों को ईद के मद्देनजर खाद्य सामग्री का निर्यात फिलहाल सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है, कंटेनर रास्ते में फंसे हैं।

आरटीई के तहत फीस प्रतिपूर्ति में लापरवाही पर युपी के मुख्य सचिव सख्त, एक सप्ताह में भुगतान के आदेश

एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश में निश्शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत निजी स्कूलों में पढ़ रहे गरीब और कमजोर वर्ग के बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति में लापरवाही सामने आई है।

इस पर मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि एक सप्ताह के भीतर अभिभावकों को वित्तीय सहायता और निजी स्कूलों को फीस प्रतिपूर्ति की धनराशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि आरटीई अधिनियम 2009 की धारा 12(1)(ग) के तहत गैर सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त निजी

स्कूलों में पढ़ने वाले अलाभित समूह और कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए सरकार की ओर से फीस प्रतिपूर्ति और वित्तीय सहायता दी जानी है। इसके लिए पहले भी बेसिक शिक्षा निदेशक की ओर से दो बार सभी जिलों को निर्देश भेजे गए थे।इसके बावजूद अधिकांश जिलों में भुगतान की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। समीक्षा में सामने आया है कि केवल गाजियाबाद और बागपत जिलों में ही पूरी तरह भुगतान किया गया है, जबकि कुशीनगर में आंशिक भुगतान हुआ है।

अन्य जिलों में न तो अभिभावकों को वित्तीय सहायता दी गई और न ही स्कूलों को फीस प्रतिपूर्ति की राशि जारी की गई, जिसे शासन ने बेहद असंतोषजनक माना है।सभी जिलाधिकारी इस मामले को प्राथमिकता देते हुए एक सप्ताह के भीतर भुगतान की प्रक्रिया पूरी कराने और इसकी अनुपालन रिपोर्ट शासन को भेजने के लिए कहा गया है। शुक्रवार को इस संबंध में अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा, शिक्षा निदेशक (बेसिक), मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक और सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

80.48 करोड़ जमा कर पैरामाउंट फ्लोराविले में अटकी रजिस्ट्री खुली, 1521 फ्लैट खरीदारों को मिली बड़ी राहत

नोएडा। सेक्टर-137 स्थित पैरामाउंट की फ्लोराविले परियोजना से जुड़े 1521 घर खरीदारों की रजिस्ट्री का रास्ता साफ हो गया है। बिल्डर ने प्राधिकरण के बकाए में 80.48 करोड़ रुपये जमा किए हैं। रकम जमा होते हैं रजिस्ट्री के बीच आ रहीं अडचनें भी दूर हो गईं हैं। यह राशि अमिताभ कांत समिति की लागू हुई सिफारिशों के तहत जमा कराई गई। पैरामाउंट फ्लोराविले के 16 टावरों में 1521 फ्लैट शामिल हैं। प्रोजेक्ट 2010 में लांच हुआ था। 14 टावरों को 10 मार्च 2015 को ओसी (आक्यूपेंसी सर्टिफिकेट) मिल चुका था, जबकि शेष दो टावरों का आक्यूपेंसी सर्टिफिकेट जनवरी 2024 में जारी हुआ। अब तक 1421 फ्लैट्स की रजिस्ट्री हो चुकी है, लेकिन वित्तीय विवाद के कारण 100 फ्लैट्स की रजिस्ट्री अटकी हुई थी। डेवलपर ने अंडर प्रोटेस्ट भुगतान कर यह राशि जमा की, भले ही मामला हाईकोर्ट में लंबित है। प्रोजेक्ट अब यूपी रेरा के दायरे में नहीं आता और कोई वित्तीय बकाया शेष नहीं बचा है। पैरामाउंट ग्रुप ने कुल 106 करोड़ से अधिक की राशि नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में जमा की है। जिसमें फ्लोराविले के लिए 80.48 करोड़ शामिल हैं। वर्षों से यहां रजिस्ट्री का इंतजार कर रहे फ्लैट मालिकों को जल्द ही मालिकाना हक मिल सकेगा।

जनगणना-2027 की तैयारियां तेज, कार्मिकों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- भारत सरकार के निदेर्शानुसार प्रस्तावित जनगणना-2027 को निर्विघ्न एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से विकास भवन में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने की, जबकि यह बैठक जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देशन में आयोजित की गई। विकास भवन स्थित मुख्य विकास अधिकारी के कार्यालय कक्ष में आयोजित बैठक में उन्होंने बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा तथा पंचायत राज विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभागों में कार्यरत कार्मिकों की सूची शीघ्र उपलब्ध कराएं, ताकि उन्हें जनगणना कार्य के लिए नामित किया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया जाए कि वे अपने-अपने विकास खंडों में तैनात अध्यापकों एवं शिक्षामित्रों की सूची तैयार कर संबंधित उप जिलाधिकारियों को उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि विभाग में कार्यरत पंचायत सहायक, सफाई कर्मी एवं रोजगार सेवकों में से ऐसे कार्मिकों की सूची उपलब्ध कराई जाए, जिन्हें मोबाइल, टैबलेट अथवा कंप्यूटर के संचालन का ज्ञान हो, ताकि उन्हें जनगणना कार्य में लगाया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों के चयन के बाद सभी कार्मिकों को डिजिटल उपकरणों के संचालन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे जनगणना कार्य को सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वान्या सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मैनपुरी और इटावा में विकसित होगा सारस सर्किट, इको टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के राजकीय पक्षी सारस (क्रेन) के संरक्षण और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए सारस सर्किट की स्थापना कर रही है। सारस सर्किट का विकास प्रदेश के मैनपुरी और इटावा जिलों के वेटलैंड्स में किया जा रहा है। जिसके तहत मैनपुरी के किर्थुआ, सहस, कुर्रा जरावां, सौज एवं समन के साथ इटावा के सरसई नावर और परौली रामायण वेटलैंड एरिया में सारस सर्किट विकसित किया जा रहा है। सारस सर्किट में सारस पक्षी के संरक्षण के साथ इको टूरिज्म की गतिविधियों को भी शामिल किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य सारस पक्षी और वेटलैंड्स संरक्षण के साथ स्थानीय पर्यटन को भी बढ़ावा देना है। यह स्थानीय लोगों को आय के अवसर उपलब्ध करवाएगा और सारस पक्षी और वेटलैंड्स के संरक्षण के लिए भी प्रेरित करेगा। इन परियोजनाओं का विकास ईको-टूरिज्म विकास बोर्ड के माध्यम से प्रदेश का वन विभाग कर रहा है।

दुनिया में सबसे लंबी उड़ान के लिए जाना जाने वाला सारस पक्षी, उत्तर प्रदेश का राजकीय पक्षी है। इसका आवास और प्रजनन क्षेत्र विशेषतौर पर राज्य के मैनपुरी, इटावा, एटा, अलीगढ़ की वेटलैंड्स में है। जिसे ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार सारस पक्षी के संरक्षण के लिए सारस सर्किट का विकास कर रही है।जहां प्रदेश का वन विभाग, यूपी ईको टूरिज्म विकास बोर्ड के माध्यम से क्षेत्र के उथले जलाशयों, तालाबों और अन्य वेटलैंड्स को संरक्षित कर सारस पक्षी के अनुकूल बनाने का प्रयास कर रहा है। साथ ही क्षेत्र में ईको टूरिज्म की गतिविधियों को भी विकसित किया जा रहा है। इस क्रम में मैनपुरी और इटावा जिलों के सारस सर्किट में प्रवेश द्वार, व्यू पॉइंट, डेक एवं बोटिंग स्पॉट, बटरफ्लाई गार्डन, सोलर साइट लाइटिंग, इंटरप्रिटेशन सेंटर, पार्किंग जैसी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। साथ ही सारस सर्किट में पर्यटकों की सुविधा के लिए सूचना केंद्र, ईको-टॉयलेट ब्लॉक, पार्किंग, इंटरैक्टिव साइनेज, फूड कियोस्क और ओडीओपी व स्मृति चिन्ह की दुकानें भी विकसित की जाएंगी। ये सुविधाएं पर्यटकों को सारस के प्राकृतिक आवास को देखने और समझने का अवसर प्रदान करेंगी। स्थानीय लोगों और पर्यटकों में बढ़ेगी पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता योगी सरकार की यह पहल न केवल सारस (क्रेन) और अन्य पक्षियों जैसे- ग्रे हेरॉन, ओपन-बिल्ड स्टॉर्क आदि की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी, बल्कि क्षेत्र के वेटलैंड्स के संरक्षण को भी बढ़ावा देगी। यह इन क्षेत्रों में भू-जल स्तर में वृद्धि के साथ ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को कम करने और सतत विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। साथ ही इन क्षेत्रों में इको टूरिज्म की गतिविधियों के विकास से स्थानीय समुदाय के लोगों को आय और रोजगार के अवसर मिलेंगे। इससे स्थानीय लोगों और घूमने के लिए आने वाले पर्यटकों में भी पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता में बढ़ोतरी होगी। सारस पक्षी को उसके प्राकृतिक वातावरण में सुरक्षा और संरक्षण प्रदान कर योगी सरकार क्षेत्र की जैव विविधता को संजोने का अनूठा प्रयास कर रही है। ये परियोजनाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सतत विकास की अवधारणा को सफल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका

अनुबंध केवल 84 करोड़ का, पर राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर खर्च कर दिए 723 करोड़; फाइलों से वाउचर तक गायब

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-95 स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में निर्माण और ग्रीनरी पर किए गए खर्च पर कैग ने काफी अनियमितता पकड़ी थी। इन आपत्तियों पर लोक लेखा समिति सुनवाई चल रही है।

समिति ने नोएडा प्राधिकरण से इसके निर्माण और टेंडर का पूरा ब्योरा मांगा था। यह ब्योरा प्राधिकरण ने तैयार कर डाटा शासन को भेज दिया है। इसके बाद संकेत मिल रहे है कि डाटा का विश्लेषण करने के बाद प्राधिरकण में तैनात तत्कालीन अधिकारियों पर कार्रवाई हो सकती है। बता दे दिल्ली से नोएडा में प्रवेश करते ही राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल बना है। इसका निर्माण वर्ष 2007 से 2011 के बीच हुआ था। सीएजी ने इसको बनाने में काफी अनियमितता मिली थी। निर्माण राशि पर भी आपत्तियां दर्ज की थीं। अब इन आपत्तियों पर लोक लेखा समिति सुनवाई कर रही है।

निर्माण पर खर्च का ब्योरा मांगा गया

समिति ने प्राधिकरण से इसके निर्माण पर खर्च किए गए रकम का ब्योरा मांगा था। यही ब्योरा तैयार कर प्राधिकरण शासन को भेजा है। अवकाश होने की वजह से रिपोर्ट नहीं भेजी जा सकी थी लेकिन बृहस्पतिवार को रिपोर्ट शासन को प्रेषित कर दी गई है।723 करोड़ रुपये

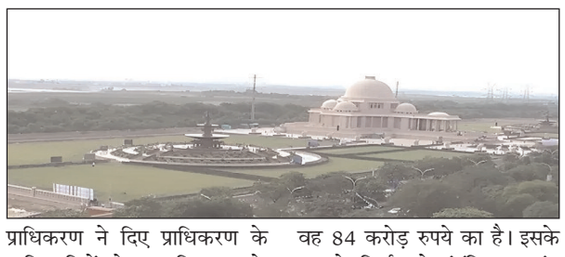

प्राधिकरण ने दिए प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक इसके निर्माण में प्राधिकरण ने अलग-अलग समय में 723 करोड़ रुपये दिए गए थे। यह राशि एमओयू के तहत इसका निर्माण करने वाली एजेंसी उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम को दिए गए थे। नोएडा प्राधिकरण की फाइलों में इससे संबंधित जो अनुबंध लगा है, वह 84 करोड़ रुपये का है। इसके बाद के निर्माण से संबंधित अनुबंध फाइलों में नहीं है। इस राशि को सिर्फ चारदीवारी में खर्च करने की बात कह रहे हैं। बाकी काम से संबंधित अनुबंध नोएडा प्राधिकरण की फाइलों में नहीं है। कुल खर्च एक हजार करोड़ से अधिक होने का दावा

इसके निर्माण के दौरान प्राधिकरण में तैनात रहे अधिकारियों का दावा है कि इसके निर्माण में एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का खर्च हुआ था। प्राधिकरण और शासन ने अलग-अलग स्तर से इसके निर्माण में रुपये खर्च किए। इस प्रेरणा स्थल के निर्माण कार्य में इस्तेमाल किए गए गुलाबी पत्थरों की सप्लाई चुनार मिजार्पुर से की गई, जबकि इनकी आपूर्ति राजस्थान के बयारना से दिखाकर ढुलाई के नाम पर भी रुपये लिए गए। इसमें जो खर्च हुआ, वह नोएडा प्राधिकरण के खजाने से हुआ। वर्ष साल 2012 में तत्कालीन मुख्य परियोजना अभियंता की तरफ से दी गई रिपोर्ट के अनुसार 679 करोड़ रुपये का खर्च वर्ष 2009-10 तक था।

इसके बाद कोई भी बिल या बाउचर प्राधिकरण को नहीं मिले। यह रकम किसके आदेश पर खर्च की गई, इसका लिखित दस्तावेज प्राधिकरण की फाइलों में नहीं है। ऑडिट रिपोर्ट में पहले भी उठ चुके हैं सवाल गौरतलब है कि करीब नौ साल पहले शासन की आडिट रिपोर्ट में भी राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल के निर्माण में बड़ा घोटाला सामने आया था। शासन की आडिट रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ था कि सिर्फ 84 करोड़ का अनुबंध साइन कर लगभग एक हजार करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए।

sab ka sapna 07 March 2026:Layout 1 06-03-2026 21:05 Page 6

बादशाह के 'टटिहरी' गाने का विरोध, माजरा खाप ने जताई आपत्ति...हरियाणा रोडवेज बस के इस्तेमाल पर भी सवाल

जींद : मशहूर रैपर बादशाह के हाल ही में रिलीज हुए गाने 'टटिहरी' ने हरियाणा में विवाद खड़ा कर दिया है। गाने की कुछ लाइनों और वीडियो में हरियाणवी संस्कृति, स्कूल यूनिफॉर्म वाली लड़कियों और हरियाणा रोडवेज बस के इस्तेमाल को लेकर स्थानीय खाप पंचायतों और लोगों में भारी रोष है। विरोध का मुख्य कारण गाने की एक लाइन है, जिसमें बादशाह कहते हैं: "आया बादशाह टोली चढ़ाने, इन सबकी घोड़ी बनाने"। कई लोगों ने इसे अश्लील, आपत्तिजनक और हरियाणवी संस्कृति व महिलाओं की गरिमा के खिलाफ बताया है। गाने के शुरूआती सीन में स्कूल जाने वाली लड़कियां बैग रखकर डांस करती दिखाई गई हैं, जिसे लेकर आरोप है कि यह गलत संदेश देता है।जींद में माजरा खाप ने इस मामले पर कड़ा रुख अपनाया है। खाप के प्रेस प्रवक्ता समुंदर फोर ने कहा, "बादशाह पहले अपने घर में घोड़ी बनाए।" उन्होंने हरियाणा रोडवेज जींद डिपो की बस को गाने में दिखाए जाने पर आपत्ति जताई और जींद रोडवेज के जीएम से कार्यवाही की मांग की। फोर ने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखेंगे और आगे कदम उठाएंगे। हरियाणा भर में सोशल मीडिया पर लोग गाने का विरोध कर रहे हैं। यूजर्स गाने से विवादित लाइन हटाने, गाने पर प्रतिबंध लगाने और बादशाह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

कुछ खापों (जैसे फोगाट और सहारण खाप) ने भी मुख्यमंत्री को शिकायत भेजी है, जिसमें हरियाणवी संस्कृति पर हमले का आरोप लगाया गया है।यह विवाद ऐसे समय में उठा है जब हरियाणा में पहले भी कुछ गानों पर सांस्कृतिक आधार पर आपत्तियां और प्रतिबंध लगे हैं। फिलहाल बादशाह या उनकी टीम की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। स्थिति पर नजर बनी हुई है, और यदि विरोध बढ़ा तो कानूनी या प्रशासनिक कदम उठाए जा सकते हैं।

सतीश नांदल के राज्यसभा चुनाव जीतने पर अपनी ही पार्टी भाजपा से करना पड़ सकता है किनारा

चंडीगढ़ : हरियाणा से राज्यसभा की दो सीटों के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जा रहे चुनाव, जिसके लिए नामांकन भरने की अंतिम तिथि गुरूवार 5 मार्च थी। भाजपा की ओर से पिछली 17वीं लोकसभा में करनाल संसदीय सीट से पार्टी के पूर्व सांसद रह चुके संजय भाटिया ने जबकि कांग्रेस की तरफ से अनुसूचित जाति वर्ग से सम्बंधित और हरियाणा सिविल सचिवालय से ग्रुप बी अधिकारी के पद से सेवानिवृत कर्मवीर सिंह बौद्ध ने पार्टी प्रत्याशी के तौर पर अपना-अपना नामांकन भरा। वहीं निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर सतीश नांदल ने नामांकन दाखिल किया है। नामांकन की जांच शुक्रवार 6 मार्च को होगी, जबकि उम्मीदवारी वापसी का अंतिम दिन 9 मार्च है। मतदान 16 मार्च को निर्धारित है।

इसी बीच पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के एडवोकेट और चुनावी-संवैधानिक मामलों के जानकार हेमंत कुमार ने बताया कि अगर 6 मार्च को नामांकन की जांच के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर (आर.ओ.) पंकज अग्रवाल, जो प्रदेश सरकार के सीनियर आई.ए.एस. अधिकारी है, द्वारा सभी नामांकन सही पाए जाते है और सोमवार 9 मार्च तक निर्दलीय प्रत्याशी सतीश नांदल अपनी उम्मीदवारी वापिस नहीं लेते, तो 16 मार्च को मतदान कराना ही होगा जिसमें कुछ भी हो सकता है और क्रॉस-वोटिंग से भी इनकार नहीं जा सकता है। हेमंत ने बताया कि हरियाणा विधानसभा की 90 सदस्य संख्या के आधार पर राज्यसभा चुनाव में किसी भी उम्मीदवार की जीत के लिए 31 विधायक होने आवश्यक है अर्थात 31 विधायक अगर किसी प्रत्याशी को मतदान में अपनी पहली प्राथमिकता का वोट देते हैं, तभी तो जीत सकता है। वैसे तो कांग्रेस के पास वर्तमान में जीत के लिए जरूरी 31 से 6 अधिक अर्थात 37 विधायक है जिससे कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर कर्मवीर की जीत में कोई अवरोध नहीं लगता परन्तु अगर आगामी कुछ दिनों में इस चुनाव में साम-दाम-दंड-भेद का खेल चला, तो किसी भी सम्भावना से इनकार नहीं किया जा सकता। भाजपा के पास 48 विधायक है, अर्थात 31 पहली प्राथमिकता के वोटों के बाद उसके पास 17 सरप्लस वोट हैं, तीन निर्दलीय भी भाजपा का समर्थन कर रहे हैं जबकि दो इनेलो विधायक भी नांदल का समर्थन कर सकते हैं चूँकि भाजपा में जाने से पहले नांदल इनेलो के ही वरिष्ठ नेता थे। इस प्रकार अगर 16 मार्च को मतदान हुआ, तो उसमें कुछ भी हो सकता है। बहरहाल इसी बीच हेमंत ने एक ओर रोचक परन्तु महत्वपूर्ण पॉइंट बताते हुए बताया कि सतीश नांदल, जो वर्तमान में हरियाणा भाजपा के पांच प्रदेश उपाध्यक्षों में से एक है, अगर वह निर्दलीय के तौर पर राज्यसभा चुनाव जीत जाते है, तो उन्हें अपनी पार्टी भाजपा से ही किनारा करना पड़ सकता है। हेमंत ने बताया कि भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 2(2) (जिसे आमतौर पर दलबदल विरोधी कानून के रूप में जाना जाता है) में स्पष्ट उल्लेख है कि सदन का कोई निर्वाचित सदस्य जो किसी राजनीतिक दल द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवार के अलावा किसी अन्य रूप में चुना गया

हांसी के लाल ने गाड़े सफलता के झंडे: सिंघवा राघो के युवक ने युपीएससी में हासिल की 826वीं रैंक

हांसी : हांसी के नजदीकी गांव सिंघवा राघो के एक होनहार युवक ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में 826वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। युवक की इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है और ग्रामीण उसे बधाई दे रहे हैं। सफल अभ्यर्थी अंकित का जन्म 7 अक्टूबर 1997 को हुआ था। उन्होंने अपनी दसवीं और बारहवीं की पढ़ाई कलायत से पूरी की। वर्तमान में वह वर्ष 2022 से रक्षा मंत्रालय में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं और इससे पहले हिसार कैंट में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। परिवार की बात करें तो उनकी माता कमलेश देवी गृहिणी हैं, जबकि पिता धीर सिंह हरियाणा पुलिस में सेवाएं देने के बाद वर्ष 2021 में कैथल से सब इंस्पेक्टर के पद से सेवानिवृत्त हुए। उनके बड़े भाई दीपक दिल्ली में इमिग्रेशन ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं, जबकि एक बहन ज्योति भी परिवार का हिस्सा हैं। वर्तमान में उनके माता-पिता दिल्ली में निवास कर रहे हैं। यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में सफलता हासिल करने पर पूरे गांव और क्षेत्र में गर्व का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि इस उपलब्धि से गांव के अन्य युवाओं को भी आगे बढ़ने और बड़े लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी।

रोहतक में मामूली विवाद बना जानलेवा, क्रिकेट खेलकर लौट रहे युवक की बेरहमी से हत्या, गांव में तनाव का माहौल

रोहतक : बनियानी गांव में फाग के दौरान क्रिकेट खेलकर आ रहे युवक की मामूली विवाद के चलते बेरहमी से हत्या कर दी गई जिसके बाद गांव में तनाव का माहौल है जिसे देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया। वहीं परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया लेकिन पुलिस के आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आश्वासन दिया तो परिजनों ने अंतिम संस्कार करने पर राजी हुए। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम बनाकर कार्रवाई शुरू कर दी है।रोहतक जिले के बनियानी गांव का विक्रम फाग के दिन दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलकर घर आ रहा था रास्ते में खड़ी एक बाइक को हटाने को लेकर हुआ विवाद इतना बढ़ गया गया कि आरोपियों ने विक्रम पर तेजधार हथियार, लाठी-डंडे व तलवार से हमला कर दिया। इसके बाद विक्रम की हालत खराब हो गई और उसे रोहतक पीजीआई में भर्ती करवाया गया, वहीं इलाज के दौरान देर रात विक्रम ने दम तोड़ दिया। विक्रम की हत्या से पूरे गांव में तनाव का माहौल हो गया जिसके चलते भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा।वहीं दूसरी ओर विक्रम के दोस्तों ने कहा कि वह फाग के दिन क्रिकेट खेलने के लिए गए थे तो गली में एक बाइक रास्ते में खड़ी थी जिसे हटाने के लिए कहा तो आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी, क्योंकि आरोपियों ने शराब पी हुई थी। आरोपी के परिजन भी मौके पर पहुंचे, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं। सभी ने विक्रम पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया, विक्रम को अस्पताल लेकर गए लेकिन देर रात उसकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस अधिकारी प्रतीक अग्रवाल ने कहा कि गांव में शांति का माहौल है और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए टीमें बना दी गई हैं। परिजन शव लेने के लिए भी तैयार हो गए हैं। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। गौरतलब है कि परिजनों का आरोप है कि घायल विक्रम के पैर पड़कर पूरी गली में उसे घसीटा गया है इसलिए साजिश के तहत विक्रम की हत्या की गई है और आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले।

8 सप्ताह में एमसीजी को मिलेंगे सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर, हाईकोर्ट ने दिए आदेश

गुड़गांव, (ब्यूरो): नगर निगम को अगले दो माह में सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर मिल जाएंगे। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने दोनों ही पदों के लिए नगर निगम के 8 सप्ताह में चुनाव कराने के आदेश जारी किए हैं। गुड़गांव के एक एडवोकेट ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी जिसकी सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह आदेश जारी किए हैं।एडवोकेट रोहित मदान ने बताया कि नगर निगम के चुनाव मार्च 2025 में सम्पन्न हुए थे। इसके बाद जल्द से जल्द ही सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव पार्षदों ने करना था, लेकिन करीब एक साल बीत जाने के बाद भी यह दोनों पद खाली पड़े हुए हैं। नगर निगम के अधिकारियों ने नगर निगम एक्ट को ताक पर रखकर फाइनेंस कमेटियों का भी गठन कर दिया जोकि पूरी तरह से अवैध हैं। इसको लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई और नगर निगम के एक्ट का हवाला देते हुए हाईकोर्ट से गुहार लगाई थी कि नगर निगम के अधिकारियों और हरियाणा सरकार को आदेश दिए जाएं कि दोनों ही पदों पर चुनाव कराए जाएं ताकि गुड़गांव के विकास में कोई बाधा न आए। मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने एडिशनल अटॉर्नी जनरल ने सरकार की तरफ से पक्ष रखा और अदालत ने दोनों पक्षों की दलीले सुनने के बाद यह आदेश जारी किए हैं। आपको बता दें कि नगर निगम गुड़गांव और नगर निगम मानेसर के चुनाव एक ही समय पर हुए थे। चुनाव के कुछ ही समय के बाद नगर निगम मानेसर में सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव सम्पन्न कराकर दोनों ही पदों को भर दिया गया था, लेकिन राजनीतिक कारणों से गुड़गांव नगर निगम में यह प्रक्रिया सम्पन्न नहीं हो पाई और आज भी दोनों ही पदों पर राजनीति चल रही है जिसके कारण यह दोनों ही पद रिक्त हैं। अब देखना यह होगा कि हाईकोर्ट के आदेशों की पालना के लिए नगर निगम के अधिकारी क्या कुछ फैसला लेते हैं।

पुलिस और डॉक्टरों की जंग में 'इलाज' हुआ गिरफ्तार; सड़कों पर मरीज, अस्पतालों में ताले

करनाल: हरियाणा के करनाल जिले में खाकी और सफेद कोट के बीच उपजा विवाद अब एक मानवीय त्रासदी का रूप लेता जा रहा है। घरौंडा थाना के निलंबित एसएचओ और सरकारी डॉक्टर के बीच शुरू हुई यह तकरार अब पूरे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को ले डूबी है। आलम यह है कि अस्पताल के बेड खाली पड़े हैं और अस्पताल के बाहर मरीजों की कतारें लंबी होती जा रही हैं। विवाद की जड़ में एक कथित बदसलूकी और थप्पड़ कांड है। डॉक्टरों का आरोप है कि घरौंडा थाने के तत्कालीन एसएचओ दीपक और उनके साथी पुलिसकर्मियों ने ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर के साथ न केवल गाली-गलौज की, बल्कि उन्हें थप्पड़ मारा और जबरन थाने ले गए। वहीं, दूसरी ओर सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें डॉक्टर पुलिस से अपनी गलती के लिए माफी मांगते दिख रहे हैं। पुलिस पक्ष का तर्क है कि डॉक्टर ने पहले अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। हालांकि, प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए एसएचओ को सस्पेंड कर दिया है, लेकिन डॉक्टर अब एफआईआर की मांग पर अड़े हैं। करनाल के नागरिक अस्पताल, ट्रॉमा सेंटर और ग्रामीण क्षेत्रों के सीएचसी-पीएचसी में स्थिति भयावह है। ओपीडी (OPD), प्रसूति कक्ष (लेबर रूम) और यहाँ तक कि पोस्टमार्टम सेवाएं भी ठप्प हैं।: दूर-दराज के गांवों से बसें और ऑटो किराए पर लेकर आए गरीब मरीज बिना इलाज के लौट रहे हैं। एक बुजुर्ग मरीज का कहना था, "हम 40 किलोमीटर दूर से आए हैं, लेकिन कोई बात करने को तैयार नहीं है। डॉक्टर साहब हड़ताल पर हैं, पर हमारी क्या गलती है? हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन (HCMSA) ने स्पष्ट कर दिया है कि यह लड़ाई अब आत्मसम्मान की है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है जब तक आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं होती, हड़ताल जारी रहेगी। अभी यह करनाल में है, अगर समाधान नहीं निकला तो पूरे हरियाणा के डॉक्टर सड़कों पर उतरेंगे।" जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी लगातार डॉक्टरों के साथ बैठकें कर रहे हैं, लेकिन गतिरोध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। प्रशासन के लिए चुनौती यह है कि एक तरफ कानून व्यवस्था है और दूसरी तरफ जनता का स्वास्थ्य।

'2 दिन में 25 लाख रुपए चाहिए'... पानीपत में व्यवसायी से रॉयल गैंग के नाम से मांगी फिरौती

पानीपत : पानीपत जिले के समालखा के प्रवाह मोहल्ले के व्यवसायी संदीप बंसल को रॉयल बिश्नोई गैंग के नाम पर 25 लाख रुपए की फिरौती की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद व्यवसायी ने पुलिस को शिकायत दी। संदीप बंसल ने परिवार को जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग की है। साथ ही व्यवसायी ने पुलिस को फिरौती कॉल की रिकॉर्डिंग भी दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने बताया कि कॉल करने वाले ने खुद को रॉयल बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताया और उनसे 25 लाख रुपए फिरौती की मांगी है। बदमाश ने धमकी देते हुए कहा कि उनके पास सिर्फ दो दिन का समय है।

अखाड़े का 'सुल्तान' बना किडनैपर: 9 साल के बच्चे का अपहरण केस में अंतरराष्ट्रीय पैरा जूडो खिलाड़ी समेत 2 गिरफ्तार

झज्जर : झज्जर में होली खेलते समय 9 वर्षीय बच्चे के अपहरण के मामले में एसटीएफ ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में अंतरराष्ट्रीय पैरा जूडो खिलाड़ी मोनू और उसके साले मनीष को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं। जानकारी के अनुसार 4 मार्च को झज्जर के बरानी गांव में 9 साल का बच्चा हुनरजीत अपने साथियों के साथ होली खेल रहा था। इसी दौरान आरोपी स्कॉर्पियो गाड़ी में आए और बच्चे का अपहरण कर ले गए। बाद में बच्चे को छोड़ने के बदले आरोपियों ने 5 करोड़ रुपये की फिरौती भी ली। एसटीएफ के एसपी विक्रांत भूषण ने बहादुरगढ़ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि फिरौती मिलने के बाद आरोपियों ने बच्चे को रोहतक क्षेत्र में छोड़ दिया था। मामले की जांच के दौरान रोहतक एसटीएफ की टीम ने रोहतक के कंसाला गांव निवासी मुख्य आरोपी मोनू और झज्जर के बरानी गांव के रहने वाले उसके साले मनीष को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी मनीष झज्जर के बरानी गांव का रहने वाला है और वह बच्चे के पिता की गौशाला में काम करता था। आरोपी मोनू ने करीब 20 दिन पहले अपने साथियों के साथ मिलकर अपहरण की साजिश रची थी। बताया जा रहा है कि मामले का मास्टरमाइंड मोनू अंतरराष्ट्रीय स्तर का पैरा जूडो

खिलाड़ी है और नेशनल पैरा जूडो गेम्स के अलावा विदेशों में भी कई पदक जीत चुका है। वह वर्ल्ड पैरा जूडो गेम्स, पैरा कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुका है। पुलिस के अनुसार आरोपी मोनू ने खेल की दुनिया छोड़कर अपराध का रास्ता चुन लिया और जल्दी अमीर बनने की चाहत में इस वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल एसटीएफ ने दोनों आरोपियों को झज्जर पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेकर उनके फरार साथियों के बारे में पूछताछ करेगी। एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि आरोपियों ने पहली बार किसी वारदात को अंजाम दिया और पुलिस के हत्थे चढ़ गए इन्होंने फिरौती की 5 करोड रुपए की रकम को भी आपस में बांट लिया था जिसे पुलिस जल्द ही बरामद कर लेगी।

ग्रीन बेल्ट को डंपिंग प्वाइंट बनाने पर नाराज सैलजा, अधिकारियों को जमकर लगाई फटकार

सिरसा : सिरसा की सांसद, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने शुक्रवार को पंचायत भवन में आयोजित दिशा बैठक के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था और सिविल अस्पताल के सामने स्थित ग्रीन बेल्ट को डंपिंग प्वाइंट में तब्दील किए जाने पर अधिकारियों पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ग्रीन बेल्ट में कचरा डालना ही है तो फिर पंचायत भवन के पार्क में ही डंपिंग प्वाइंट बना लिया जाए।

उन्होंने कहा कि ग्रीन बेल्ट का उद्देश्य शहर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाना होता है, लेकिन उसे कचरा फेंकने की जगह बना देना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। कुमारी सैलजा ने नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस स्थान से तुरंत कचरा हटाकर इसे दोबारा ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित किया जाए।बैठक में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में फैल रही गंदगी और सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। सांसद ने अधिकारियों से सवाल किया कि बार-बार सफाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति लगातार खराब क्यों होती जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर की सफाई व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाए और सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।रेलवे परियोजनाओं की धीमी गति पर उठे सवाल पंचायत भवन में आयोजित दिशा बैठक में शहर में चल रही रेलवे परियोजनाओं की धीमी प्रगति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने निर्माणाधीन फुट ओवरब्रिज सहित अन्य रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि शहर में निर्माणाधीन फुट ओवरब्रिज का कार्य अभी तक लगभग 50 प्रतिशत ही पूरा हुआ है। इस पर सांसद ने अधिकारियों से पूछा कि जब पिछले तीन महीनों में मात्र 10 प्रतिशत कार्य हुआ है तो शेष कार्य निर्धारित समय सीमा तक कैसे पूरा होगा। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट कार्य योजना प्रस्तुत करने और कार्य की गति तेज करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त कोर्ट रोड पर निर्माणाधीन रेलवे अंडरब्रिज (आरयूबी-144) के कारण शहर के यातायात पर पड़ रहे प्रभाव पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पेयजल लाइन का कार्य पूरा होने के बाद अब लंबित सीवरेज लाइन का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए ताकि परियोजना समय पर पूर्ण हो सके। सांसद ने चत्तरगढ़पट्टी रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की प्रगति पर भी जानकारी ली और निर्माण कार्य के दौरान शहरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक मार्ग विकसित करने के निर्देश दिए।

पानीपत में जेसीबी का कहर: बुजुर्ग की कुचलकर मौत, ड्राइवर की लापरवाही ने ली जान

पानीपत : जिले में GT रोड पर तेज रफ्तार और लापरवाही का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार शाम दीवाना रोड के पास एक अनियंत्रित जेसीबी (जेसीबी) ने साइकिल सवार बुजुर्ग को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि जेसीबी का टायर बुजुर्ग के ऊपर से निकल गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतका की बेटी की शिकायत पर आरोपी जेसीबी ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कृष्णपुरा की पीर वाली गली की सोनी रानी ने पुलिस को बताया कि उनके पिता विपिन कुमार जीटी रोड स्थित ओम ओवरसीज कंपनी में काम करते थे। गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे वह अपनी ड्यूटी खत्म कर साइकिल पर सवार होकर घर के लिए निकले थे। जैसे ही विपिन कुमार जीटी रोड पर दीवाना रोड के पास फोर-लेन पर पहुंचे, पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार जेसीबी ने उन्हें टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जेसीबी ड्राइवर वाहन को बेहद तेज गति और लापरवाही से चला रहा था। टक्कर लगने के बाद विपिन कुमार सड़क पर गिर गए और जेसीबी का भारी-भरकम टायर उनके ऊपर से गुजर गया। सोनी रानी ने बताया कि उनके भाई की पहले ही मौत हो चुकी है और वे अब दो ही बहनें हैं, पिता ही परिवार का मुख्य सहारा थे। हादसे की सूचना मिलते ही सोनी अपने पति अजय सिंह के साथ घटनास्थल पर पहुंची, जहां उनके पिता का शव और क्षतिग्रस्त साइकिल सड़क पर पड़ी मिली। हादसे के बाद ड्राइवर जेसीबी को कुछ ही दूरी पर छोड़कर मौके से फरार हो गया।

हरियाणा से थे पायलट अनुज वशिष्ठ, शहनाइयों के बदले घर में पसरा मातम

गुरुग्राम : असम में वायु सेना का सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान कार्बी आंगलोंग जिले के पहाड़ी और जंगली इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस दुखद घटना में विमान में सवार दोनों पायलट बलिदान हो गए। लड़ाकू विमान में शहीद हुए स्क्वॉड्रन लीडर अनुज वशिष्ठ गुरुग्राम में रहते थे। उनके पिता आनंद कुमार सेना में सुबेदार रह चुके हैं। अनुज ने करीब दस वर्ष पहले भारतीय वायुसेना ज्वाइन की थी। बताया जा रहा है कि अनुज की शादी होने वाली थी और परिवार शादी तैयारियां कर रहे थे। इसी बीच वे लड़ाकू विमान क्रैश में शहीद हो गए। भारतीय वायुसेना द्वारा एक्स पर जानकारी दी गई कि एसयु-30 एमकेआई लड़ाकू विमान को उड़ा रहे स्क्वॉड्रन लीडर अनुज वशिष्ठ और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुर्वेश दुरगकर शहीद हो गए हैं। भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान सुखोई 30 के रडार से गायब होने के बाद विमान की खोज के लिए सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था। जिसमें असम के Karbi Anglog में क्रैश होने की सूचना मिली। भारतीय वायुसेना के मुताबिक लड़ाकू विमान ने असम के जोराहट से उड़ान भरी जिसका शाम करीब 7 बजकर 42 मिनट पर एटीसी से संपर्क टूट गया। तलाशी अभियान के दौरान विमान के असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में जोरहाट से लगभग 60 किलोमीटर दूर क्रैश होने की जानकारी सामने आई।

कांग्रेस के विधायक बिकने के लिए तैयार बैठे हैं, राज्यसभा चुनाव में सौदेबाजी हो सकती है : अभय चौटाला

सिरसा : सिरसा में आज इंडियन नेशनल लोकदल की प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक इनेलो के सिरसा स्थित पार्टी कार्यालय में हुई, जिसमें प्रदेशभर से पार्टी पदाधिकारियों और नेताओं ने भाग लिया। बैठक से पहले इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला मीडिया से रूबरू हुए और कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। इस दौरान उन्होंने आगामी राज्यसभा चुनाव, कांग्रेस की राजनीति और हरियाणा के मौजूदा राजनीतिक हालात पर तीखा हमला बोला। इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला ने राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछली बार भी राज्यसभा चुनाव में बड़ा खेल हुआ

था और कांग्रेस के कोषाध्यक्ष को हराने का काम किया गया था। चौटाला ने कहा कि उस समय उद्योगपति सुभाष चंद्रा के चुनाव में जिस तरह का ह्रशाही कांडह्व हुआ था, उसी तरह का खेल इस बार भी कांग्रेस के भीतर देखने को मिल सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के विधायक बिकने के लिए तैयार बैठे हैं और राज्यसभा चुनाव में सौदेबाजी हो सकती है। अभय चौटाला ने यह भी कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा से बातचीत के बाद ही तीसरा उम्मीदवार मैदान में उतारा गया है। अभय चौटाला ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की जनता जानती है कि हुड्डा भाजपा के हाथों में खेलते हैं और पहले भी भाजपा की सरकार बनवाने में उनकी भूमिका रही है। इनेलो के राज्यसभा चुनाव में वोट देने को लेकर उन्होंने कहा कि इस बारे में पार्टी के साथियों और नेताओं से चर्चा करने के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। वहीं बावल सीट से जुड़े मामले में गौरव कुमार द्वारा कांग्रेस नेताओं पर पैसे के लेनदेन के आरोपों को लेकर भी अभय चौटाला ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यदि इस तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं तो गौरव कुमार को इसकी एफआईआर दर्ज करवानी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। अभय चौटाला ने चौधरी वीरेंद्र सिंह का हवाला देते हुए कांग्रेस पर एक और बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में राज्यसभा की सीटें 100 करोड़ रुपये में बिकती हैं और यह कांग्रेस के लिए कोई नई बात नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने पंजाब चुनाव में सक्रिय हो रहे नेताओं पर भी सवाल उठाए और कहा कि जो नेता पंजाब की राजनीति में जाने की बात कर रहे हैं, उन्हें पहले हरियाणा के हितों को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

sab ka sapna 07 March 2026:Layout 1 06-03-2026 21:05 Page 7

अमरोहा
शनिवार 07 मार्च 2026
www.sabkasapna.com
खेल
हिंदी दैनिक
सब का सपना 7

अक्षर पटेल भारत के महानतम खिलाड़ियों में शामिल होने की राह पर: गावस्कर

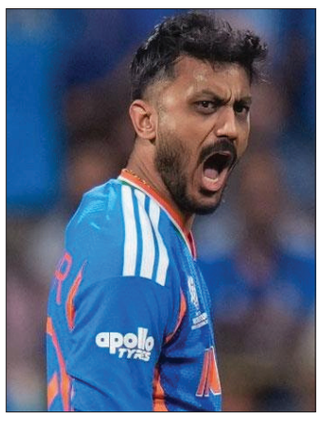

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अक्षर पटेल क्रिकेट के हर विभाग में अपने शानदार कौशल और क्रिकेट की बहुत अच्छी समझ रखने के कारण भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक बनने की राह पर हैं जिसकी एक बानगी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में देखने को मिली जिसमें उन्होंने अपनी शानदार फील्डिंग से प्रभावित किया।

अक्षर पटेल ने खेल के दो अलग-अलग लेकिन महत्वपूर्ण चरणों में खतरनाक हैरी ब्रूक और विल जैक्स को आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अक्षर ने कवर पोजीशन से 24 मीटर पीछे दौड़कर शानदार कैच लेकर ब्रूक को पवेलियन भेजा। इसके बाद अर्शदीप सिंह की वाइड फुल टॉस गेंद को जैक्स ने डीप पॉइंट की ओर खेला। अक्षर ने अपनी बाईं ओर दौड़कर गेंद को लपका लेकिन सीमा रेखा पर संतुलन नहीं बना पाने के कारण उन्होंने उसे शिवम दुबे की तरफ उछाल दिया।

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, 'अक्षर ने ब्रूक का जो कैच लिया वह अविश्वसनीय था। ब्रूक मैच का रुख बदल सकते हैं और उनका विकेट हासिल करने का हर मौका भुनाना चाहिए। अक्षर ने वही किया। वह 24 मीटर दौड़े, गेंद पर नजर रखी, खुद पर नियंत्रण बनाए रखा और कैच लपक लिया। अविश्वसनीय।' उन्होंने कहा, 'विल जैक्स को आउट करने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। (जैकब) बेथेल और जैक्स की साझेदारी मैच को इंग्लैंड के पक्ष में कर रही थी। लेकिन अक्षर अपनी बाईं ओर दौड़े, गेंद पकड़ी और चतुराई दिखाकर उसे शिवम दुबे के पास पहुंचा दिया। इससे उनकी क्रिकेट की समझ और अच्छी सूझबूझ का पता चलता है।'

गावस्कर ने कहा, 'शीर्ष स्तर पर आपकी सूझबूझ और जज्बा ही महान खिलाड़ियों को अन्य खिलाड़ियों से अलग करता है। अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दम पर अक्षर भारत के महान खिलाड़ियों में से एक बनने जा रहे हैं।' गावस्कर ने कहा कि रवींद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अक्षर ने उनकी जगह को अच्छी तरह से भर दिया है।

इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'उनसे पहले हमारे पास रवींद्र जडेजा थे और अक्षर उनकी कमी को बखूबी पूरा कर रहे हैं। उनकी गेंदबाजी में थोड़ा और निखार की जरूरत है। अनुभव के साथ यह आ जाएगा। उनकी लाइन, लेंथ और गति में निरंतर सुधार हो रहा है।' गावस्कर ने इसके अलावा जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए कहा, 'जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज सदियों में एक बार पैदा होते हैं। वह सभी प्रारूप में खेलते हैं। इसलिए चाहे टेस्ट मैच हो या वनडे या फिर टी20 आप उन्हें गेंद दे दीजिए और वह अपना काम बखूबी निभाएंगे।'

लियोनेल मेस्सी ने डोनाल्ड ट्रंप को भेंट की रत्नों से जड़ी गुलाबी फुटबॉल

वाशिंगटन (एजेंसी)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी ने पिछले साल मेजर लीग सॉकर (MLS) कप जीतने पर इंटर मियामी को सम्मानित करने के लिए व्हाइट हाउस में आयोजित एक समारोह के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रत्नजड़ित गुलाबी फुटबॉल भेंट की।

इंटर मियामी ने दिसंबर में वैंकूवर व्हाइटकैप्स को हराकर मेजर लीग सॉकर का खिताब जीता था। अर्जेंटीना के सुपरस्टार मेस्सी को लगातार दूसरे सत्र में सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (MVP) चुना गया था। ट्रंप ने कहा, 'लियो (मेस्सी) आप टीम से जुड़े और आपकी टीम ने जीत हासिल की। आपके लिए अच्छा प्रदर्शन करना आसान नहीं था। सच कहूं तो आप पर जितना दबाव था, उतना किसी को पता भी नहीं होगा, क्योंकि उम्मीद की जा रही थी कि आप जीत दिलाने में सफल रहेंगे और आपने ऐसा किया।'

मेस्सी ने ट्रंप के साथ समारोह में प्रवेश किया। वर्ष 2023 में मियामी से जुड़ने वाले मेस्सी ने कार्यक्रम के दौरान भाषण नहीं दिया। ट्रंप ने मेस्सी को संबोधित करते हुए कहा, 'आप दुनिया में कहीं भी जा सकते थे। आप दुनिया की कोई भी टीम चुन सकते थे, लेकिन आपने मियामी को चुना। मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि आपने हम सभी को इस सफर में शामिल किया। आप प्रतिभाशाली और एक बेहतरीन इंसान हैं।'

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में लवलीना और निकहत से रहेंगी पदकों की उम्मीद

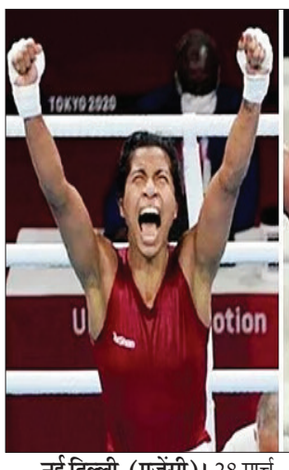

नई दिल्ली (एजेंसी)। 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन रही निकहत ज़रीन करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने कड़ी चयन प्रणाली के आधार पर इस चैम्पियनशिप के लिए अपनी टीम का चयन किया है। एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए चयनित किये गये संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था। एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में अवसर मिलेगा। इस कारण इस चैंपियनशिप का महत्व और बढ़ गया है। लवलीना को 75 किग्रा वर्ग में महिला टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी मिली है। स्पेन में स्वर्ण जीतने वाली प्रीति 54 किग्रा, अरुंधति चौधरी 70 किग्रा और प्रिया 60 किग्रा को भी शामिल किया गया है। विश्व चैंपियन मीनाक्षी 48 किग्रा और जैस्मीन 57 किग्रा भी टीम का हिस्सा हैं। महिला वर्ग में निकहत ज़रीन 51 किग्रा में अगुवाई करेंगी। उनके साथ अंकुशिता बोरो 65 किग्रा, पूजा रानी 80 किग्रा, अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान 80 किग्रा रहेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने को उम्मीद है कि भारतीय खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

टी20 फ्रेंचाइजी खरीदेंगे द्रविड़ और अश्विन, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

लंदन (एजेंसी)। दिग्गज खिलाड़ी राहुल द्रविड़ और रविचंद्रन अश्विन उस भारतीय समूह का हिस्सा हैं जो यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ETPL) में एक फ्रेंचाइजी खरीदने जा रहा है। बीबीसी स्पोर्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार गर्मियों में होने वाले छह टीमों के टूर्नामेंट में ग्लासगो स्थित फ्रेंचाइजी को खरीदने के लिए इस समूह ने एक समझौते पर सहमति जताई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ईटीपीएल नीदरलैंड के रॉटरडैम स्थित अपनी फ्रेंचाइजी को भी दक्षिण अफ्रीका के निवेशकों के एक समूह को बेचने की तैयारी में है। इस समूह में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी फाफ डुप्लेसी, हेनरिक क्लासेन और जोंटी रोड्स भी शामिल हैं। संभावना है कि इस महीने के आखिर में एक कार्यक्रम में दोनों फ्रेंचाइजी की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग में स्थित ईटीपीएल फ्रेंचाइजी को जनवरी में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के निवेशकों को बेच दिया गया था।

अभी यह पता नहीं चल पाया है कि अश्विन ईटीपीएल में खेलेंगे या नहीं। इस 39 वर्षीय खिलाड़ी ने दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया था। अब वह वैश्विक फ्रेंचाइजी लीग में खेलने के लिए स्वतंत्र हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'अश्विन की भागीदारी बेहद दिलचस्प है। इससे उनके ईटीपीएल में खेलने की संभावना बन गई है, जो आयोजकों के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।'

अश्विन ने भारत के लिए 106 टेस्ट, 116 वनडे और 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और कुल 765 विकेट लिए। द्रविड़ पूर्व में स्कॉटलैंड की क्रिकेट से जुड़े रहे हैं और माना जा रहा है कि यही कारण है कि उन्होंने ग्लासगो स्थित फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ने का फैसला किया।

स्कॉटलैंड जब इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में भाग लेता था तब द्रविड़ 2003 में उसके लिए खेले थे। भारत के दिग्गज बल्लेबाज द्रविड़ ने नेशनल क्रिकेट लीग में 11 मैच खेले, जिसमें उन्होंने तीन शतकों सहित 600 रन बनाए। द्रविड़ ने भारत के लिए 164 टेस्ट और 344 वनडे मैच खेले। उन्होंने इनमें 48 शतकों सहित 24,000 से अधिक रन बनाए। वह नवंबर 2021 से जून 2024 तक भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच भी रहे।

डायने पैरी ने वीनस विलियम्स को किया इंडियन वेल्स से बाहर

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया)। फ्रांस की टेनिस खिलाड़ी डायने पैरी ने सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को पहले दौर के मुकाबले में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। फ्रांस की डायने पैरी ने गुरुवार को दो घंटे 21 मिनट तक चले मुकाबले में अमेरिका की वीनस को 3-6, 6-7 (4), 1-6 से हराया। इसी के साथ वीनस का बीएनपी परिबास ओपन 2026 में अभियान समाप्त हो गया। बीएनपी परिबास ओपन को इंडियन वेल्स टेनिस टूर्नामेंट के नाम से भी जाना जाता है। वीनस विलियम्स ने इंडियन वेल्स में पदार्पण के 30 साल बाद की वापसी थी। उन्होंने पहली बार 1996 में 15 वर्ष की उम्र में इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। उन्हें इस टूर्नामेंट के एकल और युगल ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड दिया गया था।

टी20 विश्व कप : संजू सैमसन की हालिया इनिंग्स पर बोले रवि शास्त्री, इसी बदलाव की वजह से आए परिणाम

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि बल्लेबाजी करते समय संजू सैमसन मानसिक रूप से अधिक मजबूत हैं और टी-20 विश्वकप में उनके हालिया परिणाम इसी बदलाव की वजह से आए हैं।

शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि आखिरकार उन्हें यह एहसास हो गया है और वे इस बात को मान रहे हैं कि उन्हें और अधिक एकाग्र होने की आवश्यकता है। उन्हें अपने शॉट चयन में अधिक समझदारी दिखानी होगी और अपनी ताकत पर ध्यान देना होगा।संजू के साथ बात यह है कि उनके पास हर शॉट आता है, लेकिन एकाग्रता में कमी रह जाती है। मुझे लगता है कि वह मानसिक रूप मजबूत हो गया है और जब से वह टीम में आया है, तब से किसी को भी उसके कौशल या प्रतिभा पर शक नहीं हुआ है।'

शास्त्री ने कहा है कि उसका सर्वश्रेष्ठ फॉर्म अभी बाकी है क्योंकि भारतीय टीम में उसकी भूमिका अब साफ तौर पर तय है। उन्होंने कहा, 'वह अभी भी सिर्फ 31 साल का है और एक असली मैच-विनर है। और जब आप (आज) जैसे शॉट खेलते हुए देखते हैं, तो उसमें क्लास, टच, पावर और जबरदस्त फोर्स दिखती है। यह बस अविश्वसनीय है।' हालांकि सैमसन का फॉर्म भारत के लिए एक सुखद सरप्राइज रहा है, लेकिन साथी ओपनर अभिषेक शर्मा की हालिया कोशिशें न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले टी-20 विश्वकप के फाइनल से पहले कुछ चिंता का विषय हैं।

आईपीएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी आरसीबी : प्रसाद

मुम्बई। गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीलएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में उतरेगी। अभी राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) इस स्टेडियम में सभी तैयारियों को पूरा करने के इंतजाम कर रहा है। केएससीए के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद को उम्मीद है कि 15 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम के एकत्रित होने से पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सभी जरुरी इंतजाम पूरे कर लिए जाएंगे। आरसीबी ने इससे पहले कहा था कि वह आईपीए 2026 के शुरुआती मैच सहित पांच लीग मैच इस स्टेडियम में खेलेगी जिसके साथ ही घरेलू मैदानों को लेकर जारी संदेश दूर हो गया था। प्रसाद ने कहा, ''हां, अब भी स्टेडियम में कुछ काम बचा हैं और जहां तक हमारा सवाल है यह तय समय सीमा के अंदर पूरा हो जाएगा जो हमने महेश्वर राव की अध्यक्षता वाली (राज्य द्वारा नियुक्त) विशेषज्ञ समिति को दी है।'' उन्होंने कहा, ''हमने उन्हें जितना हो सका उतना संतुष्ट कर दिया है।गौरतलब है कि पिछले साल आरसीबी के आईपीएल खिताब जीतने के बाद हुए समारोह में हुड़दंग मचने के बाद से ही चिन्नास्वामी स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे। इस कारण इसमें मैचों के आयोजन पर भी रोक लगा दी गयी थी जो अब हटा दी गयी है।

टी20 विश्व कप : चक्रवर्ती की फॉर्म भारत के लिए चिंता, साथी क्रिकेटर बोला- वह अब भी तुरुप का इक्का

मुंबई (एजेंसी)। पिछले कुछ मैचों में वरुण चक्रवर्ती के खराब प्रदर्शन को देखकर लग रहा है कि उनकी रहस्यमयी गेंदबाजी का रहस्य अब सुलझता नजर आ रहा है लेकिन उनके साथी खिलाड़ी अब भी इस लेग स्पिनर को अपनी टीम का तुरुप का इक्का मानते हैं। अगर टीम प्रबंधन रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के फाइनल में दुनिया के शीर्ष गेंदबाज को टीम में बनाए रखने का फैसला करता है, तो वह भारत के लिए कमजोर कड़ी साबित हो सकते हैं। टूर्नामेंट के सुपर आठ चरण के बाद से उनकी फॉर्म में लगातार गिरावट को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

चक्रवर्ती को टूर्नामेंट के अंतिम चरण में खराब प्रदर्शन करने के बाद अपने मन में मौजूद शंकाओं को दूर करने की जरूरत होगी। इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को खेले गए सेमीफाइनल मैच में जैकब बेथेल ने चक्रवर्ती को अपने निशाने पर रखा था। इस भारतीय गेंदबाज ने चार ओवर में 64 रन देकर एक विकेट लिया। भारत के उप कप्तान अक्षर पटेल ने हाल ही में चक्रवर्ती से बातचीत की है और इस बात पर जोर दिया कि जब चीजें अनुकूल नहीं चल रही हों तब भी अपनी रणनीति पर कायम रहना कितना महत्वपूर्ण है।

अक्षर ने कहा, 'हमने चक्रवर्ती की मौजूदा समस्याओं के बारे में बात की है। हमने इस समय कई नॉकआउट मैच खेले हैं, इसलिए सही मानसिकता का होना बहुत महत्वपूर्ण है। कौशल और बाकी चीजें भी मायने रखती हैं, लेकिन हमने उससे यही कहा कि जब उसकी गेंदों पर रन बनने लगें तो अपनी रणनीति को नहीं बदलें।'

उन्होंने कहा, 'पहले आपकी रणनीति विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करने की होती है और फिर अचानक आप लाइन बदल देते हैं। दबाव वाली परिस्थितियों में गलतियां हो सकती हैं। हम उसे लगातार यही कहते रहते हैं कि तुम टीम के लिए तुरुप का इक्का हो। खुद पर भरोसा रखो और पूरे आत्मविश्वास के साथ गेंदबाजी करो।'

वरुण ने सेमीफाइनल से पहले नेट पर जमकर अभ्यास किया, लेकिन पावरप्ले में गेंदबाजी करने के बाद वह अपनी लय हासिल नहीं कर पाए। इंग्लैंड ने चक्रवर्ती के लिए पूरी तैयारी कर रखी थी और बाएं हाथ के बल्लेबाज बेथेल ने उन्हें किसी भी समय लय हासिल नहीं करने दी। उन्होंने चक्रवर्ती के पहले ही ओवर में तीन छक्के जड़े। बेथेल ने चक्रवर्ती की 13 गेंदों में 42 रन बनाए। चक्रवर्ती पिछले कुछ समय से बहुत शॉर्ट या फिर ओवर पिच गेंदबाजी कर रहे हैं जिससे बल्लेबाजों के लिए उनकी गेंदों को समझना आसान हो गया है।

अक्षर ने कहा, 'अगर आप देखें तो कुछ छक्के खाने के बाद भी उसने जोस बटलर का विकेट लिया। वह नंबर एक टी20 गेंदबाज है और वह जानता है कि उसे क्या करना है। यह मानसिकता की बात है। हमें अभी एक और मैच खेलना है और उम्मीद है कि वह फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।'

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि चक्रवर्ती को अपनी गति कम करनी होगी। हरभजन ने कहा, 'वह मैच विजेता गेंदबाज है लेकिन शुरुआत से ही निशाना बनाए जाने पर कोई भी गेंदबाज दबाव में आ जाता है। तेज गति के अलावा वह सही लेंथ से गेंदबाजी नहीं कर पा रहा है। विकेट को निशाना बनाकर गेंदबाजी करना उसका मजबूत पक्ष है लेकिन कई बार उसने अपनी इस रणनीति से हटकर वाइड गेंदें फेंकी हैं। वह दबाव में हैं। उसे बस इतना करना है कि वह नेट पर जमकर अभ्यास करे।'

एशियन कप में जापान से भिड़ेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)। भारतीय सीनियर महिला नेशनल टीम शनिवार को रेक्टेंगुलर स्टेडियम में एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के अपने दूसरे ग्रुप सी मुकाबले में मजबूत जापान से भिड़ेगी। फीफा महिला वर्ल्ड रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान को ब्लू टाइग्रेसेस (67वें स्थान पर) पर साफ बढ़त मिली है, क्योंकि उसने पिछले तीनों मैच जीते हैं। नादेशिको ने इन तीन मैचों में 19 बार गोल किए हैं। वहीं अपने पहले मैच में वियतनाम से 1-2 से हारने के बावजूद भारत अभी ग्रुप में तीसरे स्थान पर है। भारत को वियतनाम के खिलाफ मैच में मिली हार से उबरने के लिए दो दिन मिले हैं और जापान के खिलाफ मुकाबले के लिए अपने खिलाड़ियों को अच्छी हालत में वापस लाना मुख्य कोच अमेलिया वाल्वर्डे की प्राथमिकताओं की सूची में सबसे ऊपर है। वाल्वर्डे ने कहा, 'हम जानते हैं कि जापान एक ऐसी टीम है जो बहुत जोश के साथ पजेशन रखना पसंद करती है। उन्हें गेम पर हावी होना पसंद है, लेकिन हमें अपना गेम स्वयं तैयार करना होगा। हमें उम्मीद है कि हम शानदार प्रदर्शन करेंगे, फिर से बहुत कॉम्पिटिटिव होंगे, जैसा हम पिछले बुधवार को थे। हम गेम के पहले मिनट से ही कोशिश करेंगे। हमें अपनी एनर्जी अपनी टीम पर फोकस करने की आवश्यकता है।'

'भारत खुशकिस्मत है कि बुमराह जैसा गेंदबाज हमारे पास है': पूर्व ऑलराउंडर

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की रोमांचक जीत के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी चर्चा का केंद्र बन गई है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि भारत बेहद खुशकिस्मत है कि ऐसा गेंदबाज टीम के लिए खेलता है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में बुमराह की डेथ ओवर गेंदबाजी ने मैच का रुख पलट दिया। पठान का मानना है कि बुमराह जैसे गेंदबाज पीढ़ियों में एक बार ही देखने को मिलते हैं।

इरफान पठान ने बुमराह की जमकर की तारीफ

इरफान पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि जसप्रीत बुमराह भारत को मिला एक बेहद खास गेंदबाज है। उनके अनुसार क्रिकेट इतिहास में बहुत कम गेंदबाज ऐसे हुए हैं जिनके पास इतनी विविधता और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता हो। पठान ने कहा कि बुमराह के पास यॉर्कर, स्लोअर बॉल, इनस्विंग, आउटस्विंग और बाउंसर जैसी हर तरह की गेंद है, जिससे वह किसी भी बल्लेबाज को मुश्किल में डाल सकते हैं। उनका मानना है कि भारत को पहले कभी बुमराह जैसा गेंदबाज नहीं मिला और दुनिया में भी इस तरह के गेंदबाज बेहद कम देखने को मिलते हैं।

डेथ ओवर में बुमराह ने बदला मैच का रुख

सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 253/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें संजू सैमसन की 89 रन की शानदार पारी शामिल थी। जवाब में इंग्लैंड ने दमदार बल्लेबाजी की और मैच आखिरी ओवरों तक रोमांचक बना रहा। लेकिन मुकाबले का सबसे अहम मोड़ तब आया जब जसप्रीत बुमराह ने 18वां ओवर फेंका।उस समय इंग्लैंड को आखिरी तीन ओवरों में 45 रन की जरूरत थी, लेकिन बुमराह ने अपने ओवर में सिर्फ छह रन दिए और चार सटीक यॉर्कर डाले। इस शानदार ओवर ने इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा दिया।

हार्दिक पांड्या ने बढ़ाया दबाव

बुमराह के शानदार ओवर के बाद हार्दिक पांड्या ने 19वें ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। उन्होंने इस ओवर में सिर्फ नौ रन दिए और खतरनाक बल्लेबाज सैम करन को आउट कर दिया। अंत में इंग्लैंड की टीम 246/7 तक ही पहुंच सकी और भारत ने सात रन से मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बना ली।

बुमराह को मिलना चाहिए था प्लेयर ऑफ द मैच

इरफान पठान का मानना है कि इस मुकाबले में बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह मैच एक बेहद फ्लैट पिच पर खेला गया था, जहां लगभग 500 रन बने। पठान के मुताबिक ऐसे हालात में जहां बाकी गेंदबाज 10 या उससे ज्यादा इकॉनमी से रन दे रहे थे, वहां बुमराह ने रन पर शानदार नियंत्रण बनाए रखा। उनका कहना है कि कठिन परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी ही असली मैच विनर होता है।

क्रिकेटिंग इंटेलिजेंस ने दिलाया अहम विकेट

पठान ने बुमराह की क्रिकेटिंग समझ की भी खास तौर पर तारीफ की। उन्होंने बताया कि जब बुमराह गेंदबाजी करने आए तो उनके सामने इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक थे। बुमराह ने तेज गेंद फेंकने की बजाय चतुराई दिखाते हुए स्लोअर बॉल का इस्तेमाल किया, क्योंकि उन्हें पता था कि ब्रूक तेज गेंदों को पसंद करते हैं। इस रणनीति ने काम किया और ब्रूक का कैच अक्षर पटेल ने लपक लिया।

फाइनल में न्यूजीलैंड से होगा मुकाबला

सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 1/33 का प्रभावी स्पेल डाला, जबकि अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या ने भी अहम विकेट लेकर टीम की जीत में योगदान दिया। अब भारत का सामना फाइनल में न्यूजीलैंड से होगा। यह मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां भारतीय टीम एक और आईसीसी खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

फॉर्मूला वन ऑस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स के कार्यक्रम में बदलाव नहीं : औल्ड

मेलबर्न। खाड़ी में जारी संघर्ष के बाद भी फॉर्मूला वन ऑस्ट्रेलियन ग्रैंड प्रिक्स का आयोजन तय समय पर ही किया जाएगा। इसकी अभ्यास रेस 6 मार्च से शुरु होगी। वहीं मुख्य रेस 8 मार्च को होगी। ऑस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स कॉर्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ट्रैविस औल्ड ने कहा है कि अधिकारियों, टीम सदस्यों और ड्राइवरों पर इस संघर्ष का कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है। ऐसे में सत्र की इस पहली रेस के कार्यक्र में बदलाव नहीं होगा। औल्ड ने माना है कि ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के करण बड़े स्तर पर उड़ानों के रद्द होने से कुछ टीमों को अपनी यात्रा योजनाएं बदलनी पड़ी हैं। इसी को देखते हुए कि फॉर्मूला वन टीम के अधिकारी इस प्रयास में लगे हैं कि ड्राइवर और टीम के लोग वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित रुप से मेलबर्न पहुंच सकें। औल्ड ने कहा, हर कोई रेस के लिए यहां आने तैयार है , इससे प्रशंसकों को तय कार्यक्रम के अनुसार ही रेस देखने को मिलेगी जो उनके लिए भी राहत की बात है । उन्होंने कहा, कुछ ड्राइवर और कुछ टीम सदस्य पहले से ही ऑस्ट्रेलिया में हैं पर ब्रिटेन और यूरोप से कई सदस्यों को आना है जिसमें रेसर भी शामिल हैं। ऐसे में इन्हें कोई अन्य वैकल्पिक रास्ता देखना होगा। मुझे भरोसा है कि वे लोग भी इस बारे में विचार कर रहे होंगे। वहीं स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो हजार एफ वन कर्मचारियों को पश्चिम एशिया में फंसने से बचने के लिए यूरोप से मेलबर्न के लिए अपनी उड़ानों को फिर से पुर्नप्रबंधित करना होगा। फार्मुला वन करीब 500 स्टाफर्स को तीन विशेष उड़ानो से लाने का प्रयास कर रहा है।

sab ka sapna 07 March 2026:Layout 1 06-03-2026 21:05 Page 8

8 सब का सपना हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
शनिवार 07 मार्च 2026
www.sabkasapna.com

थिएटर मालिकों को मिल रही धमकियां : विपुल शाह

बॉलीवुड फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह का आरोप है कि केरल और चेन्नई के कई सिनेमाघरों पर फिल्म न दिखाने का दबाव बनाया जा रहा है। विपुल शाह ने दोनों राज्यों के प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। उनका कहना है कि थिएटर मालिकों को धमकियां मिल रही हैं ताकि वे फिल्म की स्क्रीनिंग रोक दें। उन्होंने कहा कि अदालत का आदेश स्पष्ट है और उसका पालन होना चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब फिल्म पर स्टे था, तब टीम ने पूरी तरह कानून का सम्मान किया और किसी भी तरह की अवैध स्क्रीनिंग नहीं की। ऐसे में यदि केवल फिल्म निर्माता से कानून पालन की अपेक्षा रखी जाए और धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई न हो, तो न्याय व्यवस्था का संतुलन बिगड़ जाता है। शुक्रवार को केरल हाई कोर्ट ने फिल्म की रिलीज पर लगी अंतरिम रोक हटा दी थी। यह फैसला डिवीजन बेंच द्वारा स्टे हटाए जाने के बाद आया, जो पहले सिंगल बेंच ने लगाया था। अदालत के आदेश के बाद फिल्म की स्क्रीनिंग का रास्ता साफ हुआ और फिल्म दोबारा सिनेमाघरों में दिखाई जाने लगी। विपुल शाह का दावा है कि जिन स्थानों पर फिल्म प्रदर्शित हो रही है, वहां दर्शकों का रिएक्शन बेहद सकारात्मक है। थिएटर मालिक और डिस्ट्रीब्यूटर भी फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं और आने वाले दिनों में शो और स्क्रीन बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। कलेक्शन की बात करें तो कामाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी 'द केरल स्टोरी 2' ने पहले दिन 75 लाख रुपये कमाए थे। दूसरे दिन 4.65 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म का कुल कलेक्शन 5.40 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। बता दें कि विपुल अमृतलाल शाह और सुदिप्तो सेन की फिल्म 'द केरल स्टोरी' लंबे समय तक विवादों में घिरी रही थी। फिल्म की रिलीज पर केरल हाई कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक ने मामले को और तूल दिया, लेकिन 27 फरवरी को अदालत से हरी झंडी मिलने के बाद इसके सीक्वल 'द केरल स्टोरी 2' आखिरकार सिनेमाघरों तक पहुंच गई।

सोनू सूद फिर आए मदद को आगे

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद एक बार फिर जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आए हैं। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कई देशों में हवाई सेवाएं प्रभावित हुई हैं, जिससे दुबई में कई लोग फंस गए हैं। इस स्थिति को देखते हुए सोनू सूद ने वहां फंसे लोगों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने की पेशकश की है। अभिनेता ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि जो लोग दुबई में फंसे हुए हैं और असहाय महसूस कर रहे हैं, वे उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी टीम जरूरतमंदों को सुरक्षित रहने की व्यवस्था कराने में हर संभव मदद करेगी। सोनू सूद इससे पहले भी कई मानवीय कार्यों के लिए चर्चा में रह चुके हैं। कोविड-19 के दौरान उन्होंने हजारों प्रवासी मजदूरों को उनके घर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद से लोग उन्हें 'मसीहा' के नाम से भी पुकारने लगे। फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पहल की जमकर सराहना की है। लोगों का कहना है कि कठिन परिस्थितियों में भी सोनू सूद हमेशा मदद के लिए तैयार रहते हैं।

संदीपा ने की अपनी फिल्म दो दीवाने सहर में की तारीफ

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म दो दीवाने सहर में अभिनेत्री संदीपा धर नजर आईं। इस फिल्म में संदीपा ने नैना नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया है जो बाहर से तो परफेक्ट दिखती है, लेकिन अंदर से बेहद अकेली है। अपने किरदार के बारे में संदीपा ने बताया कि इस फिल्म को चुनने की सबसे बड़ी वजह नैना का जटिल और गहराई वाला किरदार था। उनके अनुसार, बाहरी खुशहाल छवि के पीछे छिपी उथल-पुथल और टूटे हुए एहसासों को परदे पर दिखाना एक कलाकार के रूप में चुनौतीपूर्ण होने के साथ बेहद रोमांचक भी रहा। संदीपा ने फिल्म की कहानी की भी जमकर तारीफ की और कहा कि लंबे समय बाद दर्शकों के सामने ऐसी अनूठी प्रेम कहानी आई है, जो सामान्य रोमांस से अलग है। यह दो ऐसे लोगों की कहानी है जो अपनी-अपनी कमजोरियों को पहचानते हैं, उन्हें स्वीकार करते हैं और एक-दूसरे को अपनाते हुए अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते हैं। उनके मुताबिक, हीरो-हीरोइन द्वारा अपनी कमियों को स्वीकारते हुए प्यार चुनने वाली कहानियां आजकल बहुत कम देखने को मिलती हैं। फिल्म की रिलीज के बाद संदीपा धर बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म बिल्कुल उसी तरह बनी है जैसा उन्होंने उम्मीद की थी और उनका किरदार भी दर्शकों द्वारा उसी रूप में स्वीकार किया गया। उन्होंने बताया कि फिल्म के दूसरे हिस्से में उनका और अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का टकराव वाला सीन काफी महत्वपूर्ण था, और यह दर्शकों के बीच खासा चर्चित भी रहा। कई लोगों ने उस सीन से खुद को जोड़कर उनकी तारीफ की है। फिल्म का निर्देशन रवि उदयवार ने किया है, जबकि इसे प्रतिष्ठित फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली, प्रेरणा सिंह, उमेश कुमार बंसल और भरत कुमार ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। संदीपा ने भंसाली के प्रोडक्शन हाउस में काम करने के अनुभव को खास बताते हुए कहा कि उनका विजुअल विजन हमेशा की तरह बेहद प्रभावशाली है।

'सैयारा' की सफलता के बाद अहान पांडे ने झेली महीनों तकलीफ़

अपनी डेब्यू फिल्म सैयारा से साल 2025 में बॉलीवुड के उभरते अभिनेता अहान पांडे ने धमाकेदार पहचान बनाई थी। इस सफलता के पीछे एक ऐसा दर्द था, जिसे अब अहान ने पहली बार साझा किया है। एक्टर ने खुलासा किया कि फिल्म रिलीज होने के तुरंत बाद उन्हें जिंदगी की सबसे तकलीफदेह सर्जरी से गुजरना पड़ा, जिसने उन्हें महीनों तक सामान्य जीवन से दूर रखा। अहान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें पिछले साल एक बड़ी सर्जरी करानी पड़ी, जो बेहद दर्दनाक रही। उन्होंने कहा कि उनका शरीर इतनी परेशानी से गुजरा कि लंबे समय तक वे न तो सामान्य तौर पर चल-फिर पा रहे थे और न ही वजन उठा पा रहे थे। यह स्थिति उनके लिए शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तर पर चुनौती बन गई। कुछ साल पहले हुए एक स्नोमोबाइल हादसे का असर उनके कंधे पर गंभीर रूप से पड़ा था। चोट इतनी गहरी थी कि समय के साथ यह बढ़ती ही चली गई और जिम में वर्कआउट करना उनके लिए लगभग असंभव हो गया। आखिरकार उन्होंने सर्जरी का निर्णय लिया, हालांकि डॉक्टर ने उन्हें पहले ही चेतावनी दे दी थी कि ऑपरेशन के बाद उनका शरीर पहले जैसा नहीं रह पाएगा और फिल्मों के लिए जरूरी फिजिक हासिल करना उनके लिए बेहद मुश्किल होगा। अहान के मुताबिक, वह हमेशा उन एक्टर्स से प्रेरणा लेते रहे हैं जो जिम में जाकर अपनी बॉडी में जबरदस्त बदलाव लाने में सफल होते हैं। लेकिन उनका मामला बिल्कुल अलग था—वे अनहेल्दी शरीर नहीं, बल्कि एक गंभीर चोट से जूझ रहे थे। उन्होंने बताया कि पहले चलना-फिरना भी मुश्किल था, फिर वे वजन नहीं उठा पाते थे, और अंत में महीनों की मेहनत के बाद वे फिर से वेटलिफ्टिंग करने की स्थिति में आए। सर्जरी के बाद वे लंबे समय तक हाथ पर प्लास्टर बांधे रहे, लेकिन उन्होंने इसे सार्वजनिक नहीं होने दिया। अपने दर्द को छुपाकर उन्होंने खुद को दोबारा खड़ा किया और अब वापस अपने फिटनेस रूटीन में लौट आए हैं। अहान पांडे की कहानी सिर्फ एक अभिनेता की सफलता का किस्सा नहीं है, बल्कि यह उन कठिन रास्तों की भी दास्तान है, जिन्हें वे पर्दे के पीछे चुपचाप पार करते हैं। 'सैयारा' की सफलता के बाद आज अहान का नाम तेजी से ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, लेकिन इस सफर में उनकी जिद, जुझारूपन और संघर्ष सबसे ज्यादा चमकते हुए नजर आते हैं। बता दें कि मोहित सूरी के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई और अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव स्टोरी फिल्म बन गई।

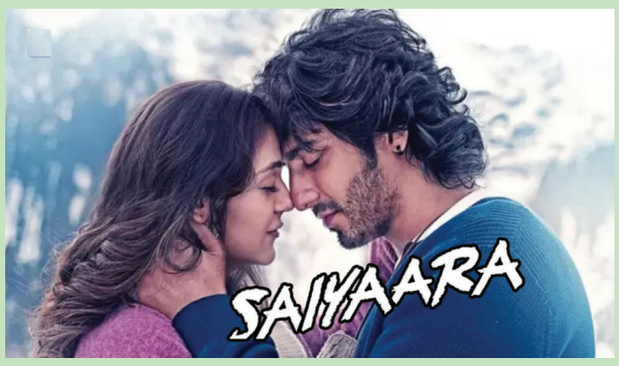

श्रद्धा और वरुण के बचपन की कहानी है बेहद दिलचस्प

एक इंटरव्यू में बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने खुलासा किया कि जब वह केवल 8 साल की थीं, तब उन्होंने वरुण को प्रपोज किया था। दोनों अपने-अपने पिता के साथ एक फिल्म के सेट पर गए थे। वहां खेलने के दौरान वे एक छोटी पहाड़ी पर चढ़ गए और इसी मासूमियत भरे माहौल में श्रद्धा ने वरुण के सामने अपना दिल खोल दिया। श्रद्धा कपूर और वरुण धवन की ऑन-स्क्रीन जोड़ी हमेशा पसंद की जाती रही है, लेकिन इन दोनों की बचपन की एक कहानी इससे भी ज्यादा दिलचस्प है। श्रद्धा ने बताया कि उन्होंने वरुण को प्रपोज करने के लिए एक मजेदार तरीका निकाला। उन्होंने कहा कि वह कुछ उल्टा बोलेंगी और वरुण को उसे समझना होगा। श्रद्धा ने मजाक में कहा 'यू लव आई' जो उल्टा पढ़ने पर 'आई लव यू' होता है। इस पर छोटे वरुण घबरा गए और बोले, 'मुझे लड़कियां पसंद नहीं हैं,' ' और तुरंत वहां से दौड़कर भाग गए। श्रद्धा ने यह किस्सा एक यूट्यूब इंटरव्यू में हंसते हुए साझा किया था। बड़े होकर दोनों कई फिल्मों में साथ नजर आए। दोनों ने एबीसीडी 2, स्ट्रीट डांसर 3डी में शानदार केमिस्ट्री दिखाई। इसके अलावा, वे स्त्री 2 में भी स्पेशल अपीयरेंस में नजर आए, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। साल 2010 में श्रद्धा कपूर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत फिल्म तीन पत्ती से की थी। 2011 में वह लव का द एंड में दिखाई दीं, लेकिन उन्हें असली पहचान मिली मोहित सूरी की रोमांटिक फिल्म आशिकी 2 से। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता आदित्य रॉय कपूर थे। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और श्रद्धा को कई अवॉर्ड नॉमिनेशन मिले। फिल्म में आदित्य रॉय कपूर ने गायक राहुल जयकर की भूमिका निभाई थी, जो शराब की लत के कारण अपना करियर खो देता है, जबकि श्रद्धा ने आरोही शिरके का किरदार निभाया, जो उनकी मदद से एक सफल सिंगर बनती है। इसके बाद श्रद्धा ने कई सफल फिल्मों में काम किया, जिनमें एक विलेन, बागी, हाफ गर्लफ्रेंड, स्त्री, छिछोरे, और तू झूठी मैं मक्कार शामिल हैं। हाल ही में उनकी फिल्म स्त्री 2 ने दुनियाभर में 800 करोड़ से ज्यादा की कमाई करते हुए बड़ी हिट साबित हुई।

बॉलीवुड को अक्सर गलत तरीके से किया जाता है पेश: सुनील शेट्टी

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री की लगातार खराब की जा रही छवि पर हाल ही में अभिनेता सुनील शेटटी ने खुलकर अपनी बात रखी है। एक इवेंट में उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्म जगत को अक्सर गलत तरीके से पेश किया जाता है, जबकि इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार और तकनीशियन हैं, जो पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बनाने के लिए समर्पित हैं। उनका कहना था कि दर्शकों को यह समझना चाहिए कि पूरी इंडस्ट्री नकारात्मकता से भरी नहीं होती। सुनील के मुताबिक, बॉलीवुड से जुड़े लोग लगातार सुर्खियों में रहते हैं, इसलिए उनके बारे में सकारात्मक से ज्यादा नकारात्मक बातें फैलती हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप एक्टर, सिंगर, खिलाड़ी या एंटरटेनर होते हैं, तो आप हमेशा जनता की नजरों में रहते हैं। ऐसे में आपके बारे में अच्छी और बुरी दोनों तरह की बातें कही जाती हैं, जो कई बार स्थिति को चुनौतीपूर्ण बना देती हैं।' उन्होंने आगे कहा कि बॉलीवुड पर अक्सर गलत नैरेटिव थोप दिया जाता है। कई लोग मानते हैं कि अगर ड्रग्स या मी टू जैसे मामले सामने आए हैं तो वे केवल फिल्म इंडस्ट्री तक सीमित हैं, जबकि हकीकत यह है कि ऐसा समाज के हर हिस्से में होता है। सुनील के अनुसार इंडस्ट्री में बड़ी संख्या में मेहनती, सजग और प्रतिभाशाली लोग काम कर रहे हैं, लेकिन नकारात्मक कंटेंट आज के समय में टीआरपी और व्यूज का आसान जरिया बन चुका है, इसलिए आलोचना ज्यादा दिखाई देती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आज मुद्दा यह नहीं रहा कि खबर सही है या नहीं, बल्कि यह कि कौन इसे सबसे पहले प्रस्तुत करता है। बातचीत के दौरान सुनील ने अपने बेटे अहान शेटटी को दी गई सीख के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वे हमेशा अहान को पहले एक अच्छा इंसान बनने की सलाह देते हैं, क्योंकि इंसानियत ही किसी को लंबी दौड़ का खिलाड़ी बनाती है। अहान हाल ही में फिल्म बार्डर 2 में नजर आए थे, जो सुनील शेट्टी की प्रतिष्ठित फिल्म 'बॉर्डर' का स्पिरिचुअल सीक्वल है। यह फिल्म 23 जनवरी को रिलीज हुई और भारत में 327 करोड़ रुपये की शानदार कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता बन गई।

छलका आयशा खान का दर्द

एक्ट्रेस आयशा खान इन दिनों अपने हालिया खुलासों को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बताया कि एक बार उन्हें केवल शरीर के आकार के कारण एक गाने से बाहर कर दिया गया था। आयशा ने कहा कि उन्हें 'मोटी' कहकर प्रोजेक्ट से हटाया गया, जिससे उन्हें काफी मानसिक आघात पहुंचा। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने यह भी खुलासा किया कि सोशल मीडिया पर उन्हें रोजाना अश्लील संदेश और धमकियां मिलती हैं। आयशा के मुताबिक इंस्टाग्राम पर कई लोग उन्हें सेक्शुअलाइज करते हैं और कुछ यूजर्स तो रेप की धमकियां तक देते हैं। अभिनेत्री ने कहा कि इस तरह की घटनाएं मानसिक रूप से बेहद परेशान करने वाली होती हैं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उनका मानना है कि कलाकारों को भी सम्मान और सुरक्षित माहौल मिलना चाहिए। आयशा खान हाल ही में फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' में नजर आई थीं, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में बॉडी शेमिंग और ऑनलाइन ट्रोलिंग जैसी समस्याएं अब भी गंभीर रूप से मौजूद हैं।

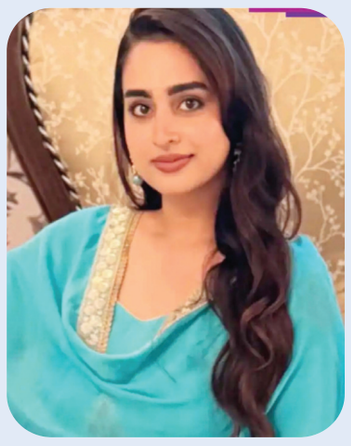

फिल्म मालामाल विकली का बनने जा रहा है सीक्वल

कॉमेडी से भरपूर फिल्म मालामाल विकली का सीक्वल बनने जा रहा है। करीब बीस पूर्व रीलिज हुई प्रियदर्शन की इस कल्ट कॉमेडी ने एक गुम हुए लॉटरी टिकट की कहानी को लेकर दर्शकों को खूब हंसाया था। अब इसके सीक्वल की खबर से फैंस फिर से उत्साहित हैं। फिल्म में परेश रावल राजपाल यादव, रितेश देशमुख और दिवंगत ओम पुरी ने यादगार भूमिकाएं निभाई थीं। हालांकि 'मालामाल वीकली 2' की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, मगर फिल्म के मुख्य अभिनेता परेश रावल ने इस खबर पर अपनी मुहर लगा दी है। उन्होंने बताया, 卐हां, यह सच है। मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं और हम इसे कर रहे हैं।卐 पहली फिल्म में लॉटरी टिकट बेचने वाले लीलाराम की भूमिका निभाने वाले परेश रावल दोबारा इसी किरदार में कमाल दिखाने की तैयारी में हैं। दिलचस्प रूप से, साल 2012 में कमाल धमाल मालामाल रिलीज़ हुई थी, जिसे 'मालामाल वीकली' का रीबूट माना गया था। इसमें भी परेश रावल के साथ राजपाल यादव, ओम पुरी और नाना पाटेकर ने बेहतरीन अभिनय से कॉमेडी का स्तर ऊंचा रखा था। हालांकि उस समय इसे आधिकारिक सीक्वल नहीं कहा गया था, लेकिन इस बार फिल्म के सीधे सीक्वल की पुष्टि ने पुराने दर्शकों की यादें ताजा कर दी हैं। इस बीच परेश रावल दूसरी फिल्म भागमभाग 2 को लेकर भी चर्चा में हैं, जो उनकी 2006 की सुपरहिट फिल्म का सीक्वल है।
इस बार फिल्म में बड़ा बदलाव यह है कि गोविंदा की जगह मनोज बाजपेयी नजर आएंगे, जिससे कहानी और प्रस्तुति में नए रंग जुड़ने की उम्मीद है। वर्कफ्रंट की बात करें तो परेश रावल आने वाले महीनों में कई बड़ी फिल्मों के साथ दर्शकों के बीच लौटने वाले हैं। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी फिल्म भूत बंगला में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगे, जो 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। इसके साथ ही, सुपरहिट तिकड़ी अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल फिर से दर्शकों का मनोरंजन करेगी क्योंकि अभिनेता फिल्में वेलकम टू द जंगल और हेराफेरी 3 में भी नजर आएंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।